राजधानी कीव पर कब्जा करने में नाकाम रूसी सेना ने अपने हमले तेज कर दिए हैं। अब वह नागरिक इलाकों में हमले करने में भी परहेज नहीं कर रही है। परमाणु हथियारों को हाई अलर्ट करने के बाद रूसी विदेश मंत्री ने तीसरे विश्व युद्ध की चेतावनी दे दी।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 80 दिनांक: 03-03-2022 गुरूवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के जरिए इस वोटिंग प्रक्रिया में भारत के न होने पर पक्ष रखा है।

यूक्रेन में आकाश से बरस रही आग, गोले छीन रहे नागरिकों की जान, रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने दी विश्व युद्ध और महाविनाश की चेतावनी

कीव । यूक्रेन के दूसरे बड़े शहर खार्कीव में आसमान से आग बरस रही है, तो टैंकों के गोले दीवारें चीरकर लोगों से जान छीन रहे हैं। हमले के सातवें दिन बुधवार को खार्कीव पर रूसी हमले और तेज हो गए। क्रूज मिसाइलों ने नगर परिषद की इमारत और अन्य आबादी वाले इलाकों को निशाना बनाया है। ताजा हमलों के बाद यूक्रेन में दो हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की सूचना है। हालात की गंभीरता को देखते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने वहां रह रहे भारतीयों को तत्काल शहर छोड़ने के लिए कहा है। इस बीच रूसी सेनाओं ने बुधवार को यूक्रेन के खेरसान शहर पर कब्जा कर लिया। राजधानी कीव को घेरे रूसी सैनिक उस पर हमले तेज करते हुए और करीब पहुंच गए हैं। बढ़ रही अनिश्चितता के माहौल में कच्चा तेल रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। बुधवार को वह करीब 110 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

हमले के सातवें दिन राजधानी कीव पर कब्जा करने में नाकाम रूसी सेना ने अपने हमले तेज कर दिए हैं। अब वह नागरिक इलाकों में हमले करने में भी परहेज नहीं कर रही है। परमाणु हथियारों को हाई अलर्ट करने के बाद बुधवार को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने तीसरे विश्व युद्ध की चेतावनी दे दी। कहा, विश्व युद्ध छिड़ा तो उसमें परमाणु हथियारों का इस्तेमाल होना निश्चित है, इसके कारण दुनिया में महाविनाश होगा। इस बीच परमाणु हथियारों से लैस रूस की पनडुब्बी बैरेंट्स सागर में गश्त करती देखी गई है। राष्ट्रपति पुतिन के हाई अलर्ट के आदेश के बाद रूस के परमाणु हथियार हमले के लिए तैयार स्थिति में हैं। रूस ने यूक्रेन में हथियारों की आपूर्ति कर रहे नाटो के देशों पर हमले न करने की गारंटी देने से भी इन्कार कर दिया है। जबकि वाशिंगटन में अमेरिकी संसद को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि रूस को यूक्रेन पर हमले की बड़ी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने यूक्रेन की पूरी मदद का एलान किया है।

यूक्रेनी नागरिकों को घर छोड़कर भाग जाने का संदेश देने के बाद रूस ने मंगलवार रात से राजधानी कीव, खार्कीव और अन्य प्रमुख शहरों पर हमले तेज कर दिए। पता चला है कि 15 लाख की आबादी वाले खार्कीव के कुछ इलाकों में रूसी पैराटूपर भी उतर चुके हैं और वहां पर उनकी यूक्रेनी सैनिकों से आमने-सामने की लड़ाई हो रही है। पिछले 24 घंटे में खार्कीव में 21 लोगों के मारे जाने और 112 के घायल होने की खबर है। मारीपोल शहर में भी लड़ाई तेज होने की खबर है। कीव में मंगलवार रात यहूदियों के बेबीन यार होलोकास्ट मेमोरियल के पास स्थित टीवी टावर पर रूसी हमले में पांच लोग मारे गए थे। इसके बाद जारी संदेश में जेलेंस्की ने लोगों से बहादुरी से हमले का मुकाबला करने का आह्वान किया। पश्चिमी देशों के सामरिक विशेषज्ञों का अनुमान है कि रूस ने अब अपनी रणनीति बदलते हुए इमारतों पर हमले करने का फैसला किया है। इससे नागरिकों की जान जा सकती है और बड़े पैमाने पर बर्बादी हो सकती है। रूस की रणनीति में यह बदलाव यूक्रेन में कड़ा प्रतिरोध झेलने के बाद हुआ है। रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने कहा है कि यूक्रेन में लक्ष्य प्राप्त होने तक हमले जारी रहेंगे। उन्होंने युद्ध की समय सीमा बताने से इन्कार कर दिया है।

बुधवार को रूस और यूक्रेन के बीच होने वाली दूसरे दौर की वार्ता खटाई में पड़ गई है। रूसी प्रतिनिधिमंडल वार्ता के लिए तैयार है और वह बेलारूस पहुंच गया है लेकिन यूक्रेन अपना प्रतिनिधिमंडल भेजने का इच्छुक नहीं है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि रूसी हमलों के बीच शांति के लिए वार्ता करना समय की बर्बादी है। अगर वार्ता करनी है तो रूस पहले हमले रोके। राजधानी कीव पर कब्जा करने में नाकाम रूसी सेना ने अपने हमले तेज कर दिए हैं। अब वह नागरिक इलाकों में हमले करने में भी परहेज नहीं कर रही है। परमाणु हथियारों को हाई अलर्ट करने के बाद रूसी विदेश मंत्री ने तीसरे विश्व युद्ध की चेतावनी दे दी।

रूसी विमानों के वायुसीमा में प्रवेश पर प्रतिबंध के चलते बुधवार को जिनेवा में परमाणु निरस्त्रीकरण पर हुई बैठक में रूस के विदेश मंत्री लावरोव वीडियो लिंक के जरिये शामिल हुए। वहां पर उन्होंने कहा, यूक्रेन के पास सोवियत संघ के समय से परमाणु हथियार बनाने की तकनीक है। इसके चलते वह परमाणु हथियार बना सकता है। लावरोव ने कहा, रूस यूक्रेन को परमाणु हथियार नहीं बनाने देगा। लावरोव ने जैसे ही भाषण देना शुरू किया, वैसे ही सभागार में मौजूद विभिन्न देशों के 100 ज्यादा राजनयिकों ने विरोध जताते हुए कुर्सी छोड़कर बाहर चले गए।

यूक्रेन की आपात सेवा ने बताया है कि रूसी हमले से अभी तक दो हजार से ज्यादा नागरिक मारे जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त बड़े पैमाने पर आवागमन सुविधा, अस्पताल, स्कूल, आवास आदि को नुकसान पहुंचा है। रूसी हमलों में बच्चे, महिलाएं और सैनिक हर घंटे मारे जा रहे हैं। रूसी हमले के बाद करीब सात लाख लोगों का यूक्रेन से पलायन हुआ है। इनमें से सर्वाधिक साढ़े चार लाख लोग पड़ोस के देश पोलैंड में पहुंचे हैं।

खरकीव में फंसे भारतीयों को निकालने में मदद करेगा रूस

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस की ओर से यूक्रेन में जारी लगातार हमले के बीच खरकीव और पूर्वी यूक्रेन में फंसे भारतीयों के लिए राहत की खबर है। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा है, कि खरकीव में फंसे भारतीयों को लेकर भारत की ओर से इमरजेंसी की स्थिति में सुरक्षित बाहर निकालने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि हम इस संबंध में भारतीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। अलीपोव के बयान से साफ हो गया है, कि अब रूस के रास्ते भारतीयों को यूक्रेन से सुरक्षित निकाला जा सकेगा। अलीपोव ने कहा कि, भारत हमारा रणनीतिक सहयोगी है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में भारत ने जो संतुलित रवैया दिखाया है, उसके लिए हम उसके आभारी हैं। अलीपोव ने कहा कि भारत इस संकट की गहराई को समझता है। यूक्रेन पर हमले के छठे दिन रूस ने अपने आक्रमण को तेज कर दिया है। खरकीव वहीं जगह हैं जहां एक दिन पहले कर्नाटक के मेडिकल छात्र नवीन की रूसी बमबारी में मौत हो गई थी।

यूक्रेन अटैक के बाद रूस पर लगे प्रतिबंधों के बाद भारत के साथ रक्षा सौदे पर प्रभाव पड़ने के सवाल पर भी पर डेनिस अलीपोव ने स्पष्ट रुख व्यक्त किया। अलीपोव ने कहा कि जहां तक भारत को एस-400 की आपूर्ति का संबंध है, किसी बाधा की आशंका न करें। उन्होंने कहा कि इस सौदे को अबाधित जारी रखने के मार्ग हैं। ऐसे में पुराने या नए प्रतिबंध से किसी भी तरह की बाधा नहीं आएगी।

सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से 4 लोगों की मौत

-हादसा लोनी कलभोर के कदम वाक वस्ती क्षेत्र की इमारत में हुआ

पुणे(ईएमएस)। महाराष्ट्र के पुणे शहर के बाहरी इलाके में स्थित लोनी कलभोर में एक सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से बुधवार को चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा लोनी कलभोर के कदम वाक वस्ती इलाके की एक रिहायशी इमारत में करीब साढ़े 11 बजे हुआ। यह जगह पुणे से करीब 15 किमी दूर है। उन्होंने कहा जब पहले पीड़ित को टैंक से बाहर निकाला गया, तो वह बेहोश पाया गया था। उसे निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि अन्य तीन को इसके तत्काल बाद टैंक से बाहर निकाला गया, लेकिन उनकी पहले ही मौत हो चुकी थी।

लोनी कालभोर पुलिस स्टेशन के प्रभारी वरिष्ठ निरीक्षक राजेंद्र मोकाशी ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि पहले केवल दो लोग सफाई के लिए आए थे। इसके बाद दो अन्य और पहुंचे। मृतकों में वे लोग भी शामिल हैं जो इस आवासीय सोसायटी के दैनिक कामकाज में मदद करते थे। उन्होंने कहा कि मृतकों की पहचान की जा रही है। टैंक की सफाई करने के दौरान ही ये लोग बेहोश हो गए थे।

यूपी में भ्रष्टाचारी मजबूत हुए, तब जनता के लिए भेजा पैसा खा जाएंगे : पीएम मोदी

सोनभद्र (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधकर कहा कि अगर विधानसभा चुनाव में भ्रष्टाचारी मजबूत हुए,तब जनता के लिए भेजा गया सारा पैसा पहले की ही तरह खा जाएंगे। पीएम ने कहा, सोनभद्र जैसे देश के अनेक जिले हैं, जिन्हें प्रकृति ने अपने खजाने से समृद्ध किया है। लेकिन अनेक वर्षों तक जो लोग सरकार में रहे उन्होंने यहां की खनिज संपदा को अपनी मर्जी भर लूटा और यहां के लोगों को अपने हाल पर छोड़ दिया। विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील कर मोदी ने कहा ध्यान रखिएगा आप घोर परिवारवादियों का इतिहास जानते हैं। चुनाव में वह यहीं खोजते रहते हैं, कि अगर सरकार में जाने का मौका मिले, तब कहां-कहां खजाना है, उसी पर उनके डोरे रहते हैं। यह भ्रष्टाचारी अगर मजबूत हुए,तब आपके लिए भेजा गया सारा पैसा पहले की ही तरह यह खा जाएंगे। उन्होंने लोगों का आह्वान किया,कि जिन्होंने उन्हें इस परिस्थिति में जीने के लिए मजबूर किया है, आजादी के बाद इन लोगों को जब-जब सरकार बनाने का मौका मिला,तब उन्होंने पीछे रखने का काम किया। इसतरह के लोगों को कभी माफ मत करें।

प्रधानमंत्री ने कहा, जो लोग माफिया हित के लिए अवैध खनन और अवैध कब्जों के लिए बदनाम हों,वे यहां के गरीबों के लिए सोच नहीं सकते। हमारी सरकार अवैध कब्जा माफिया का दाना-पानी हमेशा के लिए बंद करने के लिए भी प्रतिबद्ध है, इसकारण गांव के घर और जमीन के कानूनी दस्तावेज घरौनी आप को सौंपी जा रही है। ताकि कोई माफिया आपके घर पर कब्जा न करे। पीएम ने कहा कि भारत युद्ध प्रभावित यूक्रेन में फंसे अपने नागरिकों को देश के बढ़ते सामर्थ्य की वजह से निकाल सका है। उन्होंने कहा कि सरकार यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। विरोधियों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जो भारत की सेनाओं का अपमान करते हों, जो 'मेक इन इंडिया' अभियान का मखौल उड़ाते हों, वहां घोर परिवार वादी लोग भारत को कभी ताकतवर नहीं बना सकते। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के अब तक हुए पांच चरणों के दौरान भाजपा को व्यापक समर्थन मिलने का दावा करते हुए कहा, घोर परिवारवादियों को लगा था कि उत्तर प्रदेश के लोगों को जात पात में बांट देने वाले हैं, समाज के टुकड़े-टुकड़े कर दें और अपना चुनाव का खेल खेल लेगा, लेकिन उन्हें पता नहीं था कि उत्तर प्रदेश के लोग एकजुट होकर अपने विकास के लिए आज भाजपा नीत राजग के समर्थन में वोट कर रहे हैं।

मोदी ने जनजाति बहुल सोनभद्र के लोगों की नब्ज पकड़ने की कोशिश करते हुए कहा कि भाजपा की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार सोनभद्र जिले जैसे जिलों को जनजातीय समाज को किसी से पीछे नहीं रहने देगी। उन्होंने कहा कि देश की आजादी और विकास में हर योगदान को आज सम्मान दिया जा रहा है। दशकों बाद बिरसा मुंडा सहित अनेक जनजातीय सेनानियों और क्रांतिकारियों के योगदान को हमारी सरकार ने राष्ट्रीय पहचान दी है। बिरसा मुंडा के जन्मदिवस को हमारी सरकार ने जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया है। देशभर में 10 जनजातीय संग्रहालय भी बनाए जा रहे हैं। वन क्षेत्रों में रहने वाले हमारे भाई बहनों की हर जरूरत का ध्यान हमारी सरकार रख रही है। सोनभद्र जिले में अंतिम चरण में सात मार्च को मतदान होना है।

आर्यन खान ड्रग्स मामले में एसआईटी प्रमुख ने कहा- अभी कुछ भी कहना होगी जल्दबाजी

मुंबई, (ईएमएस)। हाल ही में अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के ड्रग्स के मामले में एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट सौंपी है जिसमें आर्यन खान के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिलने की बात कही जा रही है. इसे लेकर अब एसआईटी प्रमुख एनसीबी के डीडीजी (संचालन) संजय सिंह ने कहा है कि फिलहाल मामले की जांच जारी है और किसी भी निर्णय पर पहुंचना जल्दबाजी होगी. लगातार ये दावा किया जा रहा था कि आर्यन खान के खिलाफ कोई भी सबूत नहीं मिला है, इसे लेकर अब एसआईटी प्रमुख की प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने कहा, ''ये सच नहीं हैं, सिर्फ अटकलें हैं. प्रकाशित होने से पहले इस तरह के बयानों को एनसीबी के साथ क्रॉस-चेक नहीं किया गया था. जांच अभी पूरी नहीं हुई है, अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी''. एनसीबी की मुंबई इकाई के आरोपों के विपरीत, एसआईटी की जांच को लेकर कई दावे किए जा रहे थे. हालांकि खबर में यह भी कहा गया कि एसआईटी जांच पूरी नहीं हुई है और एनसीबी के महानिदेशक एस एन प्रधान को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने में कुछ महीने लग सकते हैं. एक अधिकारी ने कहा कि अंतिम निर्णय से पहले एक कानूनी राय ली जाएगी, विशेष रूप से इस पहलू पर कि क्या खान पर उपभोग के लिए आरोप लगाया जा सकता है, भले ही वह कोई ड्रग्स नहीं ले रहा हो.

रूस पहले बमबारी रोके, फिर बातचीत की मेज पर आयेः जेलेंस्की

-राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नाटो से नो फ्लाई जोन लगाने का आग्रह किया

कीव(ईएमएस) यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि युद्धविराम पर सार्थक बातचीत शुरू होने से पहले रूस को यूक्रेनी शहरों पर बमबारी बंद करनी होगी। बता दें कि इसी हफ्ते पहले दौर की बातचीत से कोई सार्थक नतीजा नहीं निकला था। एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने नाटो सदस्यों से रूसी वायुसेना को रोकने के लिए नो फ्लाई जोन लगाने का आग्रह किया। उन्होंने ये भी कहा कि इस मुश्किल समय में यूक्रेन की मदद करके नाटो देश युद्ध में नहीं कूदेंगे, बल्कि वो सुरक्षा उपाय बढ़ाने का काम करेंगे। रूसी सेना के आक्रमण के बाद भी जेलेंस्की ने यूक्रेन की राजधानी छोड़ने से इंकार कर दिया है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर उनके देश को नाटो में शामिल नहीं किया जाता है तो भी उन सभी देशों से उन्हें सुरक्षा की एक पुख्ता गारंटी चाहिए। रूस के साथ आगे की बातचीत को लेकर जेलेंस्की ने कहा कि रूस को कम से कम लोगों पर बमबारी करना बंद करना चाहिए, बस बमबारी को रोके और फिर बातचीत की मेज पर बैठे।

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने पहले 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन में अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन पर यूक्रेन के खिलाफ ''पूर्व नियोजित तथा अकारण'' युद्ध छेड़ने का आरोप लगाया और कहा कि अमेरिका उनके द्वारा पेश की गईं चुनौतियों का सामना करने को तैयार है। बाइडेन ने कहा कि अपने पूरे इतिहास से हमने यह सबक सीखा है कि जब तानाशाह को अपनी आक्रामकता की कीमत नहीं चुकानी पड़ती, तो वे और अधिक अराजकता फैलाने लगते हैं। वे आगे बढ़ते रहते हैं और अमेरिका तथा विश्व के लिए खतरा बढ़ता जाता है। पुतिन पर निशाना साधते हुए बाइडन ने कहा कि इसलिए द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का गठन किया गया। अमेरिका सहित 29 अन्य देश इसके सदस्य हैं। अमेरिकी कूटनीति मायने रखती है। राष्ट्रपति ने कहा कि पुतिन का युद्ध पूर्व नियोजित और अकारण है। उन्होंने कूटनीति के प्रयासों को खारिज कर दिया। उन्होंने सोचा था कि पश्चिमी देश और नाटो इसका जवाब नहीं देंगे। उन्हें लगा था कि वह हमारे घर में ही हमें बांट सकते हैं। पुतिन गलत थे। हम तैयार हैं।

कार्टून कोना

यूएनजीए में रूस के खिलाफ वोटिंग में भारत नहीं हुआ शामिल

संयुक्त राष्ट्र । भारत ने 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा (ळन्ँ) में यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रामकता की कड़ी निंदा करने वाले प्रस्ताव पर भाग नहीं लिया। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, और फ्रांस सहित करीब 100 सदस्य देशों ने 'यूक्रेन के खिलाफ आक्रामकता' नामक प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया। प्रस्ताव में हां और न में मतदान करने वालों में से दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी जिसे महासभा में अपनाया जाना था। कुल 141 सदस्यों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया जबकि पांच ने इसका विरोध किया। भारत उन 35 देशों में शामिल था, जिन्होंने परहेज किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के जरिए इस वोटिंग प्रक्रिया में भारत के न होने पर पक्ष रखा है।

यूएनजीए का प्रस्ताव पिछले शुक्रवार को 15 देशों की सुरक्षा परिषद में लाए गए प्रस्ताव के समान था। भारत ने उसमें भी भाग नहीं लिया था। महासभा ने बुधवार को अपनी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर यूक्रेन की संप्रभुता, स्वतंत्रता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए मतदान किया और यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रामकता की कठोर शब्दों में निंदा की। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव, जिसके पक्ष में 11 वोट मिले और तीन अनुपस्थित रहे, स्थायी सदस्य रूस द्वारा अपने वीटो का प्रयोग करने के बाद अवरुद्ध कर दिया गया।

संकल्प अपनाने में परिषद की विफलता के बाद, सुरक्षा परिषद ने यूक्रेन संकट पर 193 सदस्यीय महासभा का एक दुर्लभ आपातकालीन विशेष सत्र बुलाने के लिए रविवार को फिर से मतदान किया। भारत ने इस प्रस्ताव पर यह दोहराते हुए रोक लगा दी कि कूटनीति और बातचीत के रास्ते पर वापस लौटने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। महासभा के 76वें सत्र के अध्यक्ष अब्दुल्ला शाहिद ने अभूतपूर्व सत्र की अध्यक्षता की। 1950 के बाद से अब तक महासभा के इस तरह के 11 आपातकालीन विशेष सत्र बुलाए गए हैं। यह विशेष सत्र भी करीब 40 साल बाद बुलाया गया। बुधवार के प्रस्ताव में मांग की गई कि रूस यूक्रेन के खिलाफ तत्काल बल प्रयोग बंद कर दे और संयुक्त राष्ट्र के किसी भी सदस्य देश के खिलाफ किसी भी तरह की गैरकानूनी धमकी या बल प्रयोग से दूर रहे। यूक्रेन में रूस द्वारा 24 फरवरी को एक विशेष सैन्य अभियान की घोषणा की निंदा करते हुए प्रस्ताव में मांग की गई कि मास्को तुरंत, पूरी तरह से और बिना शर्त यूक्रेन के क्षेत्र से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अपनी सीमाओं के भीतर अपने सभी सैन्य बलों को वापस ले ले। संयुक्त राष्ट्र महासभा में आज रूस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पर वोटिंग हुई लेकिन भारत ने इसमें हिस्सा नहीं लिया संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के जरिए इस वोटिंग प्रक्रिया में भारत के न होने पर पक्ष रखा है।

प्रस्ताव में यूक्रेन के डोनेस्क और लुहान्स्क क्षेत्रों के बारे में रूस द्वारा किए निर्णयों को उलटने की मांग भी गई। प्रस्ताव में संबंधित पक्षों से मिन्स्क समझौतों का पालन करने और उनके पूर्ण कार्यान्वयन की दिशा में नारमैंडी प्रारूप और त्रिपक्षीय संपर्क समूह सहित प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय ढांचे में रचनात्मक रूप से काम करने का भी आह्वान किया गया। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की निंदा करने वाला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्यकारी होता जबकि महासभा का प्रस्ताव नहीं। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र निकाय में बुधवार को हुआ मतदान संकट पर वैश्विक राय का प्रतीक है।

यूक्रेन की सीमा से करीब 17,000 भारतीय अन्य देशों में पहुंचे

नई दिल्ली (ईएमएस)। युद्धग्रस्त यूक्रेन की सीमा से करीब 17,000 भारतीय निकल अन्य देशों में पहुंच गए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि रूसी पक्ष से मिली सूचना के आधार पर यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने तत्काल अपने सभी नागरिकों से खारकीव छोड़ने को कहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने संवाददाताओं से कहा, ठस्थिति कठिन है लेकिन हम हर भारतीय को देश वापस लायेंगे।

उन्होंने कहा कि हम सभी भारतीयों से तत्काल खारकीव छोड़कर सुरक्षित स्थानों या पश्चिम की ओर बढ़ने का आग्रह करते हैं । रूसी पक्ष से मिली सूचना के आधार पर यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने तत्काल अपने सभी नगरिकों से खारकीव छोड़ने को कहा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि यूक्रेन में एक भारतीय नागरिक चंदन जिंदल की प्राकृतिक कारणों से मौत हो गई, वे पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में थे। उन्होंने जिंदल के निधन पर शोक जताया।

इससे एक दिन पहले यूक्रेन में गोलाबारी के कारण एक भारतीय छात्र नवीन की मौत हो गई थी। इससे पहले, रूस के सैन्य अभियान से बुरी तरह प्रभावित पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन में स्थित भारतीय दूतावास ने छात्रों सहित अपने सभी नागरिकों से बुधवार को कहा कि अपनी रक्षा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वे तुरंत खारकीव छोड़ दें और जल्द से जल्द पेसोचिन, बाबाये और बेजलीयुदोव्का पहुंचें।

भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, ठहर परिस्थिति में वे इन स्थानों पर आज यूक्रेन के समय अनुसार शाम छह बजे (1800) तक पहुंच जाएं । '' दूतावास ने आगे परामर्श में कहा कि जिन्हें वहां से निकलने के लिये कोई वाहन या बस नहीं मिल रही है और जो रेलवे स्टेशन पर हैं, वे पैदल पेसोचिन (11 किलोमीटर) , बाबाये (12 किलोमीटर) और बेजलीयुदोव्का (16 किलोमीटर) पहुंचे। भारत ने यूक्रेन में फंसे अपने नागरिकों को देश वापस लाने के लिये 'ऑपरेशन गंगा' अभियान शुरू किया है। इसके तहत भारतीयों को जमीनी सीमा चौकियों के जरिए यूक्रेन से निकालने के बाद हंगरी, रोमानिया, पोलैंड और स्लोवाकिया से हवाई मार्ग से स्वदेश लाया जा रहा है।

वहीं, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बागची ने कहा कि पहला परामर्श जारी होने के बाद से युद्धग्रस्त यूक्रेन की सीमा से करीब 17,000 भारतीय निकल गए हैं । उन्होंने बताया कि यूक्रेन से भारतीयों को देश वापस लाने को लेकर चलाए जा रहे आपरेशन गंगा अभियान के तहत पिछले 24 घंटे में छह उड़ाने भारत पहुंच चुकी हैं और अब तक कुल 15 उड़ाने आ चुकी हैं।

गोरखपुर, बस्ती मंडल की 41 सीटों पर आज पड़ेंगे वोट, इन सीटों पर रहेगी सबकी नजर

गोरखपुर । गोरखपुर व बस्ती मंडल की 41 सीटों पर आज मतदान होगा। गोरखपुर की सदर विधानसभा सीट से सीएम योगी आदित्यनाथ स्वयं चुनाव लड़ने से सभी की नजर इस विधानसभा पर है। इसके अलावा चिल्लूपार, पडरौना, कैंपियरगंज, डुमरियागंज, फाजिलनगर, चिल्लूपार आदि सीटों पर भी सभी की नजर रहेगी।

गोरखपुर में विधानसभा की नौ सीटों पर घमासान होगा। यहां जिले के सभी 4126 बूथों पर पोलिंग पार्टियां बुधवार की शाम तक पहुंच गईं। बूथ पर पहुंचने के बाद पोलिंग पार्टियों ने मतदान से जुड़ी तैयारियां शुरू कर दीं। बूथ पर ही उनके रुकने का इंतजाम किया गया है। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक संदेश के माध्यम से लोगों से कहा है कि चुनाव लोकतंत्र का महापर्व है। इस महापर्व में लोक की सहभागिता अनिवार्य है क्योंकि हर वोट अमूल्य है। हर वोट प्रदेश के साथ-साथ देश की प्रगति को नई दिशा देने वाला है। मतदाता इस अहसास के साथ मतदान करने जाएं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वोट पिछले चुनावों की तरह इस चुनाव में भी गोरखनाथ मंदिर रोड स्थित कन्या प्राथमिक पाठशाला में पड़ेगा। मुख्यमंत्री गुरुवार की सुबह मतदान शुरू होते ही अपना वोट डालने के लिए निर्धारित बूथ पर पहुचेंगे। वह सुबह सात बजे बूथ संख्या- 249 पर मतदान करेंगे। राज्यसभा सांसद शिव प्रताप शुक्ल सेंट एड्यूज इंटर कालेज, नगर विधायक डा. राधा मोहन दास अग्रवाल जनता भारतीय जूनियर हाईस्कूल दाउदपुर, महापौर सीताराम जायसवाल, स्विंटन पब्लिक स्कूल मिर्जापुर, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष डा. धर्मेंद्र वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता स्विंटन पब्लिक स्कूल मिर्जापुर और उत्तर प्रदेश व्यापार कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष रामदेई इंटर कालेज में मतदान करेंगे।

बस्ती जिले की पांचों विधानसभा सीटों के लिए कल मतदान होगा। दोपहर बाद से मंडी समिति परिसर से पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू हो गई। कुल 1908043 मतदाता तीन मार्च को सभी 54 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। जिले में कुल पांच विधान सभा क्षेत्र हैं। यह है बस्ती सदर, महादेवा, कप्तानगंज, हर्रैया और रुधौली। इन सभी सीटों पर इस बार कुल 54 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इनमें सदर से 11, कप्तानगंज से 12, रुधौली से सर्वाधिक 14, हर्रैया से 09 और महादेवा सुरक्षित से सबसे कम आठ प्रत्याशी शामिल हैं।

देवरिया की सात विधान सभा क्षेत्रों रुद्रपुर, देवरिया, पथरदेवा, रामपुरकारखाना, भाटपाररानी,सलेमपुर व बरहज शामिल है। जिसमें कुल 80 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। जिले में कुल 2361780 मतदाता हैं। जिसमें पुरुष 1242014 तथा महिला मतदाताओं की संख्या 1119678 है। सभी सीटों पर मतदान के लिए 1593 मतदान केंद्र व 2733 बूथ बनाए गए हैं।

महराजगंज जिले में फरेंदा, नौतनवा, महराजगंज सदर, सिसवा व पनियरा विधानसभा क्षेत्र हैं। पांचों विधान सभाओं में कुल 57 प्रत्याशी चुनावी समर में ताल ठोक कर खड़े हैं। संतकबीर नगर जनपद में तीन विधानसभा क्षेत्र है। मेंहदावल, खलीलाबाद और धनघटा। इन तीनों क्षेत्रों में कुल 38 प्रत्याशी मैदान में हैं। जनपद में कुल 1303305 मतदाता हैं।कुशीनगर जिले में कुल सात विधानसभा सीटें हैं। इसमें खड्डा, पडरौना, फाजिलनगर, तमुहीराज, हाटा व रामकोला विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। चुनाव मैदान कुल 91 प्रत्याशी हैं।

यूक्रेन में फंसे भारतीयों के लिए अभियान भारत के सामर्थ्य की निशानीः मोदी

-मिशन को गति देने के लिए सरकार ने अपने चार मंत्रियों को भी वहां पर भेजा है

सोनभद्र(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार युद्ध ग्रस्त यूक्रेन से कई हजार नागरिकों को ऑपरेशन गंगा के तहत वापस ला चुकी है। मोदी ने यहां चुनावी रैली में यूक्रेन का जिक्र करते हुए अपनी सरकार की तारीफ की और कहा, आज दुनिया में जो हालात बने हैं वह आप देख रहे हैं। यह भारत का बढ़ता सामर्थ्य ही है कि हम यूक्रेन में फंसे हमारे देश के नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकालने के लिए इतना बड़ा अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, ऑपरेशन गंगा मिशन को गति देने के लिए हमारी सरकार ने अपने चार मंत्रियों को भी वहां पर भेज दिया है। इसमें हमारी सेना, वायु सेना को भी लगा दिया गया है। मोदी ने कहा, मैं आज देश के लोगों को भी यह विश्वास दिलाता हूं कि भारत सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा, बदलते हुए समय में भारत को और ज्यादा ताकतवर बनना ही होगा। भारत तभी ताकतवर बनेगा जब दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता कम से कम होगी। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, जो लोग आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक उड़ाते हों, जो भारत की सेनाओं का अपमान करते हों, जो भारत के उद्यमियों की मेहनत से चल रहे मेक इन इंडिया अभियान का मखौल उड़ाते हों, वे घोर परिवार वादी लोग भारत को कभी ताकतवर नहीं बना सकते।

यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल में लगेगी आग

9 रुपये प्रति लीटर की हो सकती हैं बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें सात साल के उच्च स्तर पर हैं। इसका असर आने वाले हफ्ते में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर दिख सकता है। अगले सप्ताह राज्यों में चुन

जन हितैषी

तनाव में इजाफा

यूक्रेन के साथ बातचीत बेनतीजा रहने के बाद रूस ने संभवतः कीव पर बड़ा धावा बोलने की तैयारी कर ली है। रूसी सेना का विशाल काफिला यूक्रेन की राजधानी कीव की ओर बढ़ रहा है। अमेरिकी कंपनी मैक्सर टेक्नोलॉजी ने उपग्रह तस्वीरों के जरिए यह खुलासा किया है। यह काफिला 64 किलोमीटर लंबा बताया गया है। कीव पहले ही कई रूसी हमलों को विफल कर चुका है। इसे देखते हुए लग रहा है कि रूस ने अब इस पर कब्जे की निर्णायक तैयारी कर ली है। यह काफिला उत्तरी कीव की ओर जा रहा है। काफिले में सेना के ट्रक, बख्तरबंद वाहन, टैंक व सैनिक शामिल हैं। एक दिन पहले रूसी सेना ने आम नागरिकों से कीव छोड़ने को भी कहा था। रूस-यूक्रेन के बीच छह दिनों से जंग जारी है। रूस व यूक्रेन के बीच सोमवार को पहली बार सीधी बातचीत भी हुई, लेकिन वह बेनतीजा रही। रूस जहां यूक्रेन को हथियार डालने पर अडिग है वहीं, यूक्रेन रूसी फौज की वापसी पर। रूस के राष्ट्रपति पुतिन द्वारा अपनी परमाणु फौजों को तैयार रहने के निर्देश से भी चिंता बढ़ गई है। लगातार बढ़ते तनाव के बीच यूक्रेन में मौजूद भारतीय दूतावास ने सभी भारतीय नागरिकों को तुरंत कीव छोड़ने को कहा है। दूतावास की तरफ से जारी इमरजेंसी एडवाइजरी में कहा गया है कि भारतीय जिस हाल में हैं, उसी स्थिति में तुरंत शहर से बाहर निकल जाएं। वहीं यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए अब भारतीय वायु सेना की मदद ली जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरफोर्स के अफसरों से कम समय में अधिक लोगों को निकालने के लिए मदद करने को कहा है। भारतीय वायु सेना ऑपरेशन गंगा में कई सी-17 विमान तैनात कर सकती है। सी-17 ग्लोबमास्टर ने अफगानिस्तान में अशांति के दौरान 640 लोगों को लेकर उड़ान भरी थी। भारतीय वायुसेना ने सी-17 ग्लोबमास्टर विमान से भारतीयों को काबुल से दो बार एयरलिफ्ट किया था। भारत के पास 11 सी-17 ग्लोबमास्टर विमान हैं। इस विमान का बाहरी ढांचा इतना मजबूत है कि इस पर राइफल और छोटे हथियारों की फायरिंग का कोई असर नहीं होता है। रूसी सेना ने यूक्रेन की राजधानी कीव को चारों ओर से घेर रखा है। इस बात की आशंका है कि जल्द ही रूसी सेना कीव पर कब्जा करके वहां की सत्ता पर एक कठपुतली सरकार को बिठा सकती है। ऐसा होता है तो यूक्रेन में इस कठपुतली सरकार को बचाए रखना रूस के लिए काफी मुश्किल होगा। इसकी मुख्य वजह यह है कि यूक्रेन ईस्ट और वेस्ट में बंटा हुआ है। ईस्ट में रूसी भाषा बोलने वालों की संख्या अच्छी खासी है। ऐसे में यहां तो कठपुतली सरकार को समर्थन मिलेगा, लेकिन वेस्ट में यूक्रेनियन ज्यादा रहते हैं। इसलिए यहां इसका कड़ा विरोध होगा। यही वजह है कि इस जंग ने 1989 की उस घटना की याद ताजा कर दी है, जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद जर्मनी का जीता हुआ हिस्सा लोगों के विरोध के चलते रूस के हाथ से निकल गया था। जर्मनी की तरह ही यूक्रेन भी दो हिस्सों में बंटा हुआ है। पूर्वी यूक्रेन के कुछ हिस्से में रूसी भाषा बोलने वालों की तदाद ज्यादा है। वहीं, पश्चिमी यूक्रेन में मूल यूक्रेनियन की तदाद ज्यादा है। ऐसे में राजधानी कीव की सत्ता पर रूस अपनी पसंद की कठपुतली सरकार बिठा भी देते हैं तो उस सरकार को बचा पाना मुश्किल होगा। इसकी वजह यह है कि यूक्रेन की कुल आबादी में से करीब 75 फीसदी जनसंख्या मूल निवासियों की है। किसी मुल्क की सरकार से वहां की 75 फीसदी से ज्यादा आबादी नाराज हो तो ऐसे में किसी सरकार का बने रहना मुश्किल और चुनौती भरा होगा।

स्त्री-पुरुष के अधिकारों का द्वंद 'मैरिटल रेप'

'मैरिटल रेप' अब सिर्फ एक शब्द नहीं, हाल के दिनों में स्त्री अधिकार और उसके विमर्श का केंद्र बन गया है। भारत जैसे उदार देश में एक तरफ तीन तलाक और हालाला जैसी कुप्रथाएं पुरुष के एकाधिकार को साबित करती हैं। वहीं 'मैरिटल रेप' यानी वैवाहिक बलात्कार भी स्त्री अधिकारों का दमन है। यह समाजिक बिद्रुपता और कुरूपता है। इसके पीछे पुरुष एकाधिकार की गंध आती है। महिलाओं को सिर्फ समर्पण, त्याग, दया और ममता की प्रतिमूर्ति समझना कहाँ का न्याय है। स्त्री और पुरुष अर्धनारिश्वर है। दोनों के बिना किसी एक का अस्तित्व नहीं है। आधुनिक युग में जहाँ 'लिव इन रिलेशन' जैसी गैर सामाजिक संस्थाओं का उदय हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ वैवाहिक जीवन में सहमति और असहमति के बीच 'सेक्स' स्त्री और पुरुष के बीच द्वंद की दीवार बना है।

वैवाहिक जीवन में 'बलात्कार शब्द' का औचित्य ही नहीं होना चाहिए। विवाह जीवन की पहली सहमति है। वह स्त्री-पुरुष के आपसी समझौते का संस्थागत दस्तावेज है।दोनों के बीच 'दैहिक संतुष्टि' एक प्राकृतिक शाश्वत सत्य है। दैहिक संतुष्टि पर जितना प्राकृतिक अधिकार स्त्री का है उतना ही पुरुष का है। इस सत्य के पीछे सृष्टि संरचना का एक अनूठा संसार भी है। क्या हम ऐसे विवादों को खड़ा कर जीवन संरचना के 'शाश्वत सत्य' को ही मिटाने पर तुले हैं। क्या हम प्राकृतिक सत्य को ही नकारने पर अमादा हैं। वैवाहिक जीवन में 'दैहिक संतुष्टि' स्त्री-पुरुष का प्राकृतिक अधिकार है। इसे सिर्फ स्त्री विमर्श और उसके अधिकार के रूप में नहीं विश्लेषित किया जाना चाहिए। फिलहाल ऐसी बहस कितनी जायज है जब जीवन की निजी आजादी की आड़ में विवाह पूर्व 'उन्मुक्त सेक्स' की संस्कृति पनप रहीं है।

दिल्ली उच्च न्यायालय में 'मैरिटल रेप' यानी वैवाहिक बलात्कार का मामला लंबित है। अदालत ने इस मामले में केंद्र सरकार से अपना पक्ष रखने को कहा था। लेकिन सरकार इस मामले में अदालत से अभी लंबा वक्त चाहती है। अदालत उसके लिए तैयार नहीं दिखती है, उसने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जबकि केंद्र सरकार सभी राज्यों और दूसरी संवैधानिक संस्थाओं से इस पर विमर्श चाहती है। स्त्री-पुरुष संबंधों को लेकर वर्षों पुराना कानून बदले परिवेश में अप्रासंगिक हो चला है। 'मैरिटल रेप' को अपराध घोषित कर दिया गया तो विवाह नाम की संस्था खतरे में पड़ जाएगी। समाज में एक नई तरह की समस्या पैदा हो जाएगी। देश में बलात्कार को लेकर भी तमाम कानून बने हैं उस स्थित में क्या हम बलात्कार जैसे घिनौने कृत्य पर प्रतिबंध लगा पा रहे हैं। लेकिन हम यह भी नहीं कहते हैं कि स्त्री अधिकारों की रक्षा न हो।फिलहाल इस तरह के कानून से विवाह जैसी संस्था के लिए खतरा बढेगा।

स्त्री-पुरुष के जीवन में 'बलात 'शब्द की कोई जगह ही नहीं है। विवाह कोई 'कांट्रैक्ट' नहीं है। यह जीवन जीने की पद्धति है। जीवन में सब कुछ सेक्स है यह भी गलत है।सेक्स यानी यौन संतुष्टि जीवन का आनंद और सृष्टि का सर्जक है। कुलीन स्त्री-पुरुष के संस्कारित जीवन में सहमति और असहमति की बात ही नहीं पैदा होती। जीवन में तमाम ऐसे वक्त और मोड़ आते हैं जहां सेक्स बहुत कुछ होते हुए भी कुछ नहीं होता। वैवाहिक संस्था गौड़ हो जाती है और परिवार प्रथम होता है। यह देश, काल, वातावरण और परिस्थिति जन्य हालात पर निर्भर करता है। संविधान में 'मैरिटल रेप' अपराध की श्रेणी में नहीं है। पुरुष के खिलाफ इस पर किसी सजा का प्रावधान नहीं है। वैवाहिक जीवन में 'सेक्स' जीवन का आनंद है। लेकिन सेक्स में स्त्री और पुरुष की सहमति आवश्यक है। क्योंकि 'यौन संतुष्टि' जीवन की संतुष्टि है। फिर इसमें असहमति का प्रवेश 'मैरिटल रेप' में आता है। इस मुद्दे को एक विवेकशील स्त्री-पुरुष आपस में समझ सकते हैं। अदालत का एक फैसला सिर्फ कानून बन सकता है लेकिन जीवन में साहमति और संतुष्टि नहीं पैदा कर सकता।

वैवाहिक जीवन की सफलता, संतानोत्पत्ति, संतान सुख और विभिन्न बातें जीवन की सफलता के आयाम है।जबकि यौन संतुष्टि स्त्री-पुरुष के सुखमय जीवन और पारिवारिक का परिपथ है। ऐसी स्थिति में हम यौन संतुष्टि को जीवन से अलग नहीं कर सकते हैं। विवाह जैसी पवित्र संस्था में प्रवेश के बाद ही स्त्री-पुरुष का जीवन परिवार नामक की संस्था में प्रवेश करता है। उस संस्था को सृष्टि परिवार नामक संस्था में बदलकर देश और समाज का निर्माण करती है। स्त्री-पुरुष के जीवन में असहमति तमाम दुष्परिणामों का फल देती है। यौन संतुष्टि के लिए स्त्री को सिर्फ सेक्स की मशीन नहीं समझना चाहिए। मेरा जहाँ तक ख्याल है संस्कारित जीवन में ऐसी बातें होती भी नहीं हैं।

वैवाहिक जीवन में हमें स्त्री के अधिकार की संपूर्ण रक्षा करनी चाहिए। पुरुष, स्त्री पर एकाधिकार चाहता है। जबकि अब परिवेश बदल गया है स्त्री स्वावलम्बी हो चली है उस हालात में वह पुरुष के एकाधिकार पर खुद को क्यों समर्पित करेगी। जब उसका पति रोज नशे में घर पहुँचता है और खुद की यौनिक संतुष्टि को जीवन की मंजिल मानता हो। उसके लिए स्त्री की भावनाएं और बाल-बच्चे और परिवार की समस्याएं कोई मायने नहीं रखती। हालांकि 'मैरिटल रेप' को अगर अदालत कानूनी मान्यता देती है तो स्त्री अधिकार को कानूनी रक्षा कवच मिल जाएगा, लेकिन इससे समाजिक विद्रूपता फैलने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

'मैरिटल रेप' स्त्री-पुरुष के बीच एक मनोविकार है। जीवन में संतुष्टि का आनंद तभी मिलता है जब स्त्री और पुरुष के बीच सहमति होती है। इस तरह की संतुष्टि सेक्स को कई गुना बढ़ाती है। लेकिन असहमति में तमाम विद्वेष और विकारों को जन्म देती है। इस तरह की हरकत से स्त्री की निगाह में पुरुष गिर जाता है। उस स्त्री की नजरों में देवता बना पति दानव बन जाता है। पुरुष को इस तरह के हालातों से बचना चाहिए। वैवाहिक संस्था का यह शर्मनाक पहलू है। जब यौन संतुष्टि यौन हिंसा में बदल जाए तो स्त्री-पुरुष संबंध अच्छे नहीं हो सकते। सफल वैवाहिक जीवन में यौन हिंसा का कहीं स्थान नहीं होना चाहिए। यौन हिंसा ही तलाक और दूसरे मुद्दों का कारण बनती है।

भारत में 29 फिसदी महिलाएं वैवाहिक जीवन में यौन हिंसा का शिकार है। गांव और शहर में इसका अंतर साफ-साफ दिख सकता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे के एक आंकड़े अनुसार यौन हिंसा का सबसे अधिक प्रभाव ग्रामीण इलाकों में देखने को मिलता है। ग्रामीण इलाकों में 32 फिसदी और शहरों में 24 फिसदी महिलाएं वैवाहिक जीवन में यौनिक हिंसा का शिकार हैं। महिलाओं को ऐसी हिंसा से बचने के लिए डॉमेस्टिक वायलेंस एक्ट (घरेलू हिंसा कानून) भी है। दुनिया के 185 देशों में सिर्फ 77 में 'मैरिटल रेप' पर कानून बना है। बाकी 108 देश में 74 देश ऐसे हैं जहां महिलाओं को रिपोर्ट दर्ज कराने का अधिकार है। भारत के समेत 34 देशों में मैरिटल रेप को लेकर कोई कानून नहीं है। आधुनिक परिवेश में यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। क्योंकि विवाह नामक संस्था को बनाए रखना भी हमारी सामजिक चुनौती है। हम एक अच्छी स्त्री चाहते हैं, लेकिन हमें एक अच्छा पुरुष भी बनना होगा। अदालत के किसी भी फैसले का असर समाज पर दूरगामी हो सकता है। सरकार और संवैधानिक संस्थाओं को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। (लेखक- प्रभुनाथ शुक्ल / ईएमएस)

यूक्रेन: भारत पहल क्यों न करे?

यूक्रेन में चल रहे युद्ध पर भारतीय लोगों की नजरें शुरु से गड़ी रही हैं लेकिन एक भारतीय छात्र की मौत ने देश के प्रचारतंत्र को हिलाकर रख दिया है। भारत सरकार की तरह भारत की जनता भी अब तक बिल्कुल तटस्थ थी। वह रूस और यूक्रेन के इस युद्ध को एक तटस्थ दर्शक की तरह देख रही थी लेकिन कर्नाटक के छात्र नवीन की हत्या रूसी गोली से हुई है, इस खबर ने सारे देश में रोष पैदा कर दिया है। लोगों ने यूक्रेन-युद्ध को अब अपनी आखें तरेरकर देखना शुरु कर दिया है। भारत से रूस के एतिहासिक गहन संबंधों के बावजूद अब लोगों ने रूसी हमले की आलोचना शुरु कर दी है। सरकार को तो अपने राष्ट्रहितों की चिंता करनी है लेकिन आम लोग किसी भी मुद्दे पर अपना दृष्टिकोण शुद्ध नैतिक आधार पर बना सकते हैं। लोग यह सवाल पूछ रहे हैं कि यूक्रेन-जैसे सार्वभौम और स्वतंत्र राष्ट्र पर इस तरह का हमला करने का अधिकार रूस को किसने दिया? यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। इससे भी ज्यादा, भारत के लाखों लोग इस बात से खफा हैं कि उनके हजारों नौजवान यूक्रेन के विभिन्न शहरों में अपनी जान नहीं बचा पा रहे हैं। यह तो एक छात्र को गोली लगी है तो यह खबर सार्वजनिक हो गई लेकिन जो छात्र बंकरों में छिपकर अपनी जान बचा रहे हैं, उनको पेटभर रोटी और पीने को पानी तक नसीब नहीं है, उनका क्या होगा? पता नहीं, हमारे कितने छात्र भूख से मर जाएंगे, कितने यूक्रेन की सीमा पैदल पार करते हुए कुरबान हो जाएंगे और कितने ही रूसी बमों और गोलियों के शिकार होंगे। हमारे सैकड़ों छात्रों के फोटो भी प्रसारित हुए हैं, जो यूक्रेन की भयंकर ठंड में मौत के कगार पर पहुंच रहे हैं। हमारी सरकार इन छात्रों की सुरक्षा की जी-तोड़ व्यवस्था कर रही है लेकिन यदि वह सतर्क होती तो यह पहल वह दो हफ्ते पहले ही कर डालती। मुझे खुशी है कि तीन-चार दिन पहले मैंने वायु सेना के इस्तेमाल का जो सुझाव दिया था, उस पर सरकार ने अब अमल शुरु कर दिया है। अब संयुक्तराष्ट्र महासभा और मानव अधिकार परिषद में भी वह क्या मौन धारण किए रहेगी? उसने फिलहाल, यह अच्छा किया है कि वह यूक्रेन को सीधी सहायता पहुंचा रही है जैसी कि उसने तालिबानी अफगानिस्तान को पहुंचाई थी। रूस और यूक्रेन या रूस और नाटो के बीच उसकी तटस्थता पूर्णरूपेण राष्ट्रहितसम्मत और तर्कसम्मत है लेकिन यही गुण उसे सर्वश्रेष्ठ मध्यस्थ बनने की योग्यता प्रदान करता है। वह रूस और अमेरिका, दोनों को अब भी समझा सकता है कि वे इस युद्ध को बंद करवाएं। यदि यह युद्ध लंबा खिंच गया तो रूस और यूक्रेन की बर्बादी तो हो ही जाएगी, जो बाइडन और पूतिन की प्रतिष्ठा भी पैंदे में बैठ जाएगी। यूक्रेन की जनता और उसके राष्ट्रपति झेलेंस्की अभी तक डटे हुए हैं, यह अपने आप में बड़ी बात है। भारत सरकार उनसे भी सीधे बात कर सकती है। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

आमजन के पैमाने पर कितना खरा उतर पायेगा राजस्थान बजट!

आमजन को संतुष्ट करने की दृष्टि से राजस्थान सरकार द्वारा घोषित वर्ष 22-23 का आम बजट आमजन के पैमाने पर कितना खरा उतर पायेगा, यह तो आने वाला कल ही बता पायेगा पर इस बजट को लेकर मिली जुली प्रतिक्रिया आ रही है जहां सत्ता परूा इसे जनहितकारी बता रहा है वहीं विपक्ष इसे आगामी विधान सभा चुनाव को ध्यान में रखते हुये लोकलुभावना बता रहा है। इसे चुनावी बजट भी माना जा रहा है जब कि राजस्थान में विधान सभा चुनाव आगामी वर्ष 2023 के अंत में होने वाला है, इससे पहले सरकार एक और बजट आमजन को दे सकती है। इस कारण यह चुनावी बजट तो हो नहीं सकता पर इस बजट के माध्यम से सरकार आमजन को अपने पक्ष में करने का प्रयास जरूर कर रही है।

इस बजट में पहली बार 5 हजार करोड़ का कृषि बजट की अलग से घोषणा की गई है जिसके माध्यम से प्रदेश के किसानों को हर तरह से संतुष्ट करने का प्रयास किया गया है । इस कृषि बजट के तहत 11 मिशन राजस्थान सुक्ष्म सिचाई , जैविकखेती , बीज उत्पादन एवं बितरण, मिलेट्स प्रोत्साहन, संरक्षित खेती, उद्यानिकी विकास, फसल सुरक्षा, भूमि उर्वरकता, कृषि श्रमिक संबल, कृषि तकनीक , खाद्य प्रसस्करण के नाम जारी कर प्रदेश के किसानों को राहत देने की बात की जा रही है। जिसमें 7 हजार किसानों को 150 करोड़ का अनुदान , नये कृषि महाविद्यालय एवं निःशुल्क बीज देना भी शामिल है।

इस बजट में आमजन के स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखते हुये प्रदेश भर में स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार किया गया है जिसके तहत चिरंजीवी योजना में प्रति परिवार सालाना पांच लाख रू. की बीमा राशि को बढ़ाकर 10 लाख रू. किये जाने, चिरंजीवी कार्ड नहीं होने पर ईला ज के लियेजिला कलेक्टर भी कर सकेंगे निर्देशित ,राज्य के सभी राजकीय चिकित्सालय में समस्त प्रदेशवासियों के लिये ओपीडी एवं इनडोर निःशुल्क जांच, मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना,15 मेडिकल कॉलेज, एक हजार उप स्वास्थ्य केन्द्र, सहित अनेक प्रकार की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं दवाई आदि का प्रावधान शामिल है। शिक्षा एवं रोजगार क्षेत्र में ,36 नये कन्या महाविद्यालय, 3 हजार 820 सैककन्डरी विद्यालयों को हायर सैककन्डरी करने , एक हजार महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूल खोलने, सावित्री बाई फूले वाचनालय, आगामी वर्ष तक 1 लाख रोजगार देने , जुलाई माह मे रीट परीक्षा आयोजित कर 32हजार पद को 62 हजार पद भरने,, बिजली के क्षेत्र में आमजन को 50 यूनिट तक बिजली फ्री करने, वर्तमान दरों को कम कर आम आदमी को राहत देने ,इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना, 10 हजार शिक्षकों की भर्ती, 32 नये औद्योगिक क्षेत्र, सहित हर क्षेत्र में नये कर न लगाकर वर्तमान करों में राहत देते हुये आमजन को राहत देने का प्रावधान किया गया है। अब देखना है कि वर्तमान बजट आम जन के पैमाने पर कितना खरा उतर पाता है।

(लेखक-डॉ. भरत मिश्र प्राची / ईएमएस)

संकट में अनेक जैव प्रजातियों का जीवन-चक्र

(विश्व वन्यजीव दिवस पर विशेष)

वन्यजीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है।

जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषिण वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं।

समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है।

'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में विस्तार से यह बताया गया है कि ब्रिटिश काल से ही भारत में किस प्रकार वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए 'भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972' लागू किया गया। वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुर्माना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया। बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है। लुप्तप्राय: पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। (लेखक- योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

आज का इतिहास 3 मार्च

1638 फ्रांस स्वीडन गठबंधन तीन वर्ष के लिए नवीनीकरण किया गया.
1707 शाहजहाँ मुअज्जम बहादुर प्रथम के रूप में गद्दी पर बैठा.
1813 ब्रिटेन ने स्वीडन के साथ स्टाकहोम समझौते पर हस्ताक्षर किए.
1839 प्रसिद्ध उद्योगपति जमशेदजी टाटा का जन्म.
1847 टेलीफोन के आविष्कारक अलेक्जेंडर ग्राहम बेल का जन्म.
1896 सर्बिया और बल्गारिया के बीच बुखारेस्ट शांति संधि हुई.
1919 मराठी भाषा के सुप्रसिद्ध साहित्यकार हरिनारायण आप्टे का निधन.
1932 जापानियों ने शंघाई से चीनी फौजों को खदेड़ दिया.
1963 अमरीका ने अंतरिक्ष में प्रयोगशाला प्रक्षेपण योजना की घोषणा की.
1974 तुर्की का विमान पेरिस के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ,जिसमें 343 व्यक्ति मारे गए.
1983 सातवाँ गुट निरपेक्ष सम्मेलन हुआ.
1989 डी.वी.विजयतुंग श्रीलंका के प्रधानमंत्री बने.
1992 पुलिस ने आर्मेनियाई हमले में मारे गए 120 अजरबेजानियों के शव बरामद किए.
1997 माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन विश्व के सबसे बड़े समृद्ध व्यक्ति बिलगेट भारत आए.
1998 भाजपा गठबंधन को 250 सीटें मिली लेकिन स्पष्ट बहुमत से पीछे.
2000 म.प्र. के जशपुर व रायगढ़ जिलों में हीरों की खदान का पता चला.
2002 लोकसभा अध्यक्ष जी.एम.सी. बालयोगी का हेलिकॉप्टर दुर्घटना में निधन हुआ.
2004 जम्मू की सेंट्रल जेल पर हमला एक उग्रवादी व नीत पुलिसकर्मी सहित सात मरे.

दैनिक पंचांग

03 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.59 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मेष	08.30 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	10.10 बजे से
बुध	मकर में	मिथुन	12.08 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	14.21 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	16.37 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	18.49 बजे से
राहु	वृष में	तुला	21.00 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	23.15 ब.से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		धनु	01.31 बजे से
		मकर	03.36 बजे से
		कुंभ	05.22 बजे से

गुरुवार 2022 वर्ष का 62 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** प्रतिपदा 21.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 01.56 बजे रात्र को समाप्त।
योग साध्य 03.28 बजे रात्र को समाप्त।
करण किस्तुघ्न 10.17 बजे तदनन्तर बव 21.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 00.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 06° 55'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871176
जूलियन दिन 2459641.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रज्जब **तारीख** 29
विशेष इष्टि, चन्द्र दर्शन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7214

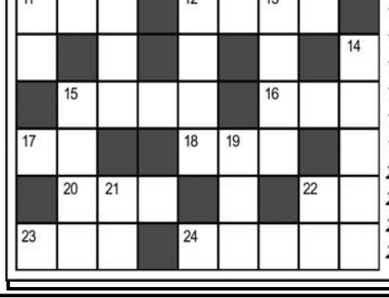

बाएँ से दाएँ

1.अपनत्व,अपनाव-5
4.खाने लायक तैयार होना-3
6.गोंद,लाख-2
7.पति,शौहर-3
8.जंगल,अरण्य-3
10.उत्साह,ललक-2
11.प्रलय,आफत-3
12.ईश्वर,रब-4
15.वट वृक्ष-4
16.निर्माण(उर्दू-3)
17.धोखा,कपट-2
18.दृष्टि,निगाह-3
20.स्वदेश,मातृभूमि-3
22.एक पैसा-2
23.विजय,जीत-3
24.आत्मबलिदानी,साहसी-5

ऊपर से नीचे

1.उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2.लम्हा,क्षण-2
3.गिरावट,अवनति-3
4.मवाद-2
5.मरियल,दुर्बल-4
8.असरदार,प्रभावी-4
9.नाक छेदना-2,3
13.विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14.मांग,अनुरोध-5
15.बलवा,गदर-4
19.विष,गरल-3
21.अस्तर,स्तर-2
22.देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -7213 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

आईसीसी रैंकिंग में अय्यर लंबी छलांग लगाकर 18वें स्थान पर पहुंचे

शीर्ष दस से बाहर हुए विराट

दुबई (ईएमएस)। टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में लंबी छलांग लगायी है। अय्यर 27 स्थान ऊपर आकर 18वें स्थान पर पहुंच गये हैं। अय्यर ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट यूक्रेन पर रुसी हमले के बाद दुनिया भर के बाजारों में बिकवाली हावी होने के कारण आई है। इससे भारतीय बाजार भी प्रभावित हुआ है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 778.38 अंक करीब 1.38 फीसदी की गिरावट के साथ ही 55,468.90 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार एनएसई का पचास शेयरों वाला निफ्टी भी 187.95 अंक तकरीबन 1.12 फीसदी नीचे आकर 16,605.95 अंक पर खिसक गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में मारुति सुजुकी को सबसे ज्यादा छह फीसदी का नुकसान हुआ। वहीं डॉ रेड्डीज, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए जबकि टाटा स्टील, टाइटन, रिलायंस और नेस्ले इंडिया के शेयर लाभ में रहे। इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों का बिकवाली रुख बरकरार है। शेयर बाजार से उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक विदेशी निवेशकों ने सोमवार को 3,948.47 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। वहीं एशियाई के साथ ही यूरोपीय बाजारों में भी गिरावट आई। इससे पहले आज सुबह ही बाजार गिरावट के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 600 अंक से अधिक टूट गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी पूंजी की सतत निकासी का असर भी निवेशकों की धारणा पर पड़ा। इससे भी बाजार धारणा प्रभावित हुई है ओर उसमें गिरावट आई। बाजारों में कमजोर रूख के कारण बुधवार को शुरुआती कारोबार में निवेशकों की संपत्ति में 76,808.9 करोड़ रुपए से अधिक की गिरावट आई है। वैश्विक स्तर पर बिकवाली का रूख रहने से 30 शेयरों पर आधारित बीएसई का सूचकांक सेंसेक्स 975.06 अंक गिरकर 55,272.22 पर पहुंच गया। इसके साथ ही कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी से भी निवेशकों की धारणा पर विपरीत असर पड़ा। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण शुरुआती कारोबार में 76,808.9 करोड़ रुपए घटकर 2,51,62,236.19 करोड़ रुपए रह गया।

भारत के लिए हमारी दीर्घकालिक रणनीति, नहीं होगा बदलावः हुआवे

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीनी दूरसंचार उपकरण निर्माता हुआवे ने भारत में मौजूदा हालात के बावजूद यहां के लिए बनाई अपनी दीर्घकालिक रणनीति में कोई बदलाव नहीं करने का दावा किया है। हुआवे के एशिया-प्रशांत कारोबार के उपाध्यक्ष जे चेन ने एक ऑनलाइन गोलमेज सम्मेलन में कहा कि उनकी कंपनी अपनी सभी पहलों में भारत को शामिल करेगी। उन्होंने कहा कि भारत का बाजार काफी बड़ा है जिसमें काफी संभावनाएं मौजूद हैं। हुआवे की भारत में दीर्घकालिक रणनीति है। हम मौजूदा कारोबारी हालात को समझ रहे हैं लेकिन कुछ समय बाद हालात में बदलाव होना मुमकिन है। हालांकि हमारी रणनीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है और इस बाजार में हमारा भरोसा बरकरार है। उनका यह बयान भारत में 5जी प्रौद्योगिकी कारोबार से हुआवे को बाहर रखने के सरकार के फैसले के संदर्भ में आया है। सरकार ने हुआवे के दूरसंचार उपकरणों की खरीद को भरोसेमंद नहीं माना है। यह कदम भारत और चीन के बीच लद्दाख में सैन्य तनाव बनने के बाद उठाया गया है।

एनएसई मामले में सेबी के अधिकार क्षेत्र के दायरे में रहते हुए कार्य कियाः त्यागी

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के निवर्तमान प्रमुख अजय त्यागी ने बुधवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक ने एनएसई मामले में अपने अधिकार क्षेत्र के दायरे में रहते हुए कार्य किया। उन्होंने इस मामले में आदेशों को कमजोर किए जाने की बात से इनकार किया। पांच साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद नियामक प्रमुख पद से हटने के बाद त्यागी ने कहा कि कई अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी इस मामले की जांच कर रही हैं। त्यागी ने कहा ?कि अब तक जो तथ्य और निष्कर्ष सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं वे सेबी की खोजबीन पर आधारित हैं जिनका उसने अपने आदेश में खुलासा किया था। हमें अन्य एजेंसियों की जांच का भी इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेबी अन्य एजेंसियों के साथ सहयोग कर रहा है और उनके द्वारा मांगी गई जानकारी भी उपलब्ध करवा रहा है। माधवी पुरी बुच को कार्यभार सौंपने के बाद त्यागी ने कहा कि एनएसई का मामला 2010-2015 के बीच हुए घटनाक्रमों से जुड़ा है और सेबी ने उनके नेतृत्व में पूरी गंभीरता से जांच शुरू की। त्यागी ने कहा ?कि हमने अपने कार्यक्षेत्र के दायरे में रहते हुए और अपनी समझ के अनुसार आदेश दिए। यह नहीं कहा जा सकता कि नियामक ने आदेशों को कमजोर किया।

फरवरी में यूपीआई से 8.27 लाख करोड़ का लेनदेनः एनपीसीआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में फरवरी 2022 के दौरान एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए 8.27 लाख करोड़ रुपए का नकद रहित खुदरा लेनदेन हुआ। यह आंकड़ा इससे पिछले महीने की तुलना में थोड़ा कम है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने यह जानकारी दी। एनपीसीआई के अनुसार फरवरी 2022 में यूपीआई के जरिए कुल 452 करोड़ (4.52 अरब) लेनदेन हुए। वहीं जनवरी 2022 के दौरान देश में भीम यूपीआई के जरिए नकद रहित खुदरा लेनदेन 8.32 लाख करोड़ रुपए का रहा था। इस दौरान यूपीआई के जरिए कुल 461 करोड़ लेनदेन हुए थे। एनपीसीआई ने बताया कि एनईटीसी फास्टैग तकनीक के जरिए टोल प्लाजा पर स्वचालित संग्रह में मूल्य के हिसाब से फरवरी 2022 में मामूली वृद्धि हुई है। इस दौरान 3,631.22 करोड़ रुपए के 24.36 करोड़ लेनदेन हुए। इसके अलावा तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) के माध्यम से तत्काल धन हस्तांतरण पिछले महीने घटकर 3.84 लाख करोड़ रुपए रह गया, जो जनवरी में 3.87 लाख करोड़ रुपए था। एनआईपीएल के सीईओ रितेश शुक्ला ने कहा ?कि हमें विश्वास है कि यह पहल एनआईपीएल की तकनीकी क्षमताओं और वैश्विक स्तर पर अपनी बेमिसाल पेशकश को बढ़ाने में मददगार होगी। यूपीआई ने 2021 में 940 अरब डॉलर के 3,900 करोड़ वित्तीय लेनदेन को सक्षम किया, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 31 फीसदी के बराबर है।

आईईए के सदस्य 6 करोड़ बैरल तेल जारी करने को तैयार

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के सभी 31 सदस्य देशों ने अपने रणनीतिक भंडारों से 6 करोड़ बैरल तेल जारी करने को लेकर सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा ?कि रूस के यूक्रेन पर हमले से तेल आपूर्ति में कोई कमी नहीं होगी। आईईए ने बताया कि अमेरिकी ऊर्जा मंत्री जेनिफर ग्रानहोल्म की अध्यक्षता में हुई ऊर्जा मंत्रियों की असाधारण बैठक में आईईए निदेशक मंडल ने यह निर्णय किया। संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान और कनाडा भी इसमें शामिल हैं। आईईए के सदस्यों के पास 1.5 अरब बैरल तेल का आपातकालीन भंडार है। जारी की जाने वाली मात्रा इस भंडार का चार प्रतिशत यानी 30 दिनों तक करीब 20 लाख बैरल प्रतिदिन है। आईईए के कार्यकारी निदेशक फतीह बिरोल ने कहा ?कि ऊर्जा बाजारों में स्थिति बहुत गंभीर है वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है, यह स्थिति विश्व अर्थव्यवस्था को उस समय जोखिम में डाल रही है, जब वह सुधार के नाजुक दौर में है। यह निर्णय ऐसे समय लिया गया है जब अमेरिकी मानक कच्चे तेल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल को पार गया है। यह 2014 के बाद तेल के मूल्य का उच्च स्तर है।

कैलिफोर्निया में 10 लाख से ज्यादा है इलेक्ट्रिक कारें

-दुनिया का पहला राज्य है, जहां इतनी ज्यादा है ये कारें

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्या आपको पता है कि अमेरिकी शहर कैलिफोर्निया में 10 लाख से ज्यादा सिर्फ इलेक्ट्रिक कारें हैं। जी हां, अपने देश में बमुश्किल एक लाख इलेक्ट्रिक कारें होंगी, लेकिन अमेरिका के पॉपुलर शहर कैलिफोर्निया में ही 10 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें हैं और यह अन्य अमेरिकी शहरों से काफी ज्यादा है। इसका सीधा मतलब है कि ऑटोमोबाइल कंपनियां इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की तरह काफी तेजी से बढ़ रही हैं।

लोग भी अब फ्यूल पावर्ड कारों की बजाय इलेक्ट्रिक कार खरीदने पर जोर दे रहे हैं। बीते कुछ वर्षों में अमेरिका समेत दुनिया के अन्य देशों में जैसे ही इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर जोर पड़ने लगा, वैसे ही खासकर कैलिफोर्निया जैसे राज्यों में लोग धड़ल्ले से इलेक्ट्रिक कार खरीदने लगे और आज स्थिति यह है कि यह दुनिया का पहला ऐसा राज्य है, जहां 10 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें हैं। साल 2021 की चौथी तिमाही में कैलिफोर्निया ने यह उपलब्धि हासिल की। हालांकि, इस आंकड़े में कुछ हाइड्रोजन फ्यूल सेल कारें भी हैं। बता दें कि अमेरिका में कुल 24 लाख इलेक्ट्रिक कारें हैं, ऐसे में कैलिफोर्निया राज्य में ही 40 फीसदी से ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें हैं।

बता दें कि कैलिफोर्निया अमेरिका के सबसे अमीर राज्यों में से एक है और आजकल अमीरियत की एक और निशानी यह भी हो गई है कि लोग अब इलेक्ट्रिक कारों पर जोर देने लगे हैं। इस शहर में 70 हजार से ज्यादा लेवल 2 ईवी चार्जिंग स्टेशन और 7 हजार से ज्यादा डीसी फास्ट चार्जर इंस्टॉल हैं। कैलिफोर्निया में करीब 60 इलेक्ट्रिक कार मॉडल हैं। कैलिफोर्निया में जितनी भी कारें बिकती हैं, उनका 12 पर्सेंट से ज्यादा शेयर इलेक्ट्रिक वीइकल्स का है।

कच्चा तेल 110 डॉलर प्रति बैरल के पार

- पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच लड़ाई तेज होने के साथ ही कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी देखी जा रही है। बुधवार को कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड पांच फीसदी बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया जो इसका सात साल का उच्चतम स्तर है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई भी 4.88 फीसदी तेजी के साथ 108.64 डॉलर पर पहुंच गया। यूक्रेन और रूस की लड़ाई अब तेल क्षेत्रों में भी फैल गई है जिससे सप्लाई के प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई है। जानकारी के मुताबिक अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं जिसका व्यापक असर हो सकता है। माना जा रहा है कि इससे रूस से निर्यात प्रभावित हो सकता है। रूस दुनिया की तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। पूर्वी यूरोप में संघर्ष तेज होने से तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। इस बीच महामारी से उबर रही ग्लोबल इकॉनमी में मांग बढ़ रही है। यही वजह है कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आ रही है। दुनिया के कई देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमत रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है लेकिन भारत में दिवाली से इसमें कोई बदलाव नहीं आया है। माना जा रहा है पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनावों के बात पेट्रोल-डीजल की कीमत में भारी इजाफा हो सकता है।

दिल्ली में अभी पेट्रोल की कीमत 95.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 86.67 रुपए लीटर है लेकिन अगले कुछ दिनों में इसमें 12 से 15 रुपए प्रति लीटर का इजाफा हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक देश में पेट्रोल एवं डीजल की खुदरा बिक्री दरें 82-83 डॉलर प्रति बैरल के कच्चे तेल भाव के अनुरूप हैं। इससे तेल कंपनियों की रोजाना भारी नुकसान हो रहा है। कच्चे तेल की कीमत में एक डॉलर की बढ़ोतरी से पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमत में 50 पैसे की बढ़ोतरी होती है। इस हिसाब से देखें तो कच्चे तेल की कीमत में इस दौरान करीब 27 डॉलर का इजाफा हो चुका है। यानी पेट्रोल और डीजल की कीमत में करीब 15 रुपए की बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

मोहाली में उतरते ही एक रिकार्ड बनायेंगे विराट

मोहाली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली श्रीलंका के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम करेंगे। इसी के साथ ही विराट सौ टेस्ट खेलने वाले 12 वें भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। वहीं पिछले दो साल से शतक नहीं लगा पाये विराट का लक्ष्य इस मैच में शतक लगाकर एक और उपलब्धि हासिल करना रहेगा। ऐसे में विराट मोहाली में शतक जड़कर अपने 100वें टेस्ट को यादगार बनाना चाहेंगे। अब तक केवल नौ खिलाड़ी ही अपने सौवें टेस्ट में शतक लगा पाये हैं। अगर विराट यहां शतक लगाते हैं तो वह दसवें खिलाड़ी होंगे।

अब तक कोई भारतीय नहीं बना सका है 100वें टेस्ट में शतक। 100 टेस्ट में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी इंग्लैंड के कोलिन काउड्रे थे। उन्होंने जुलाई 1968 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के दौरान बर्मिंघम टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की थी। इस टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 104 रन बनाए थे और इस तरह से वह न सिर्फ 100 टेस्ट खेलने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने, बल्कि 100वें टेस्ट में शतक जड़ने वाले भी पहले खिलाड़ी बने। आस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग ने अपने 100वें टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं, जबकि इंग्लैंड के जो रूट 100वें टेस्ट में दोहरा शतक जड़ने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। काउड्रे के अलावा इंजमाम उल हक, रिकी पोंटिंग, ग्रीम स्मिथ और जो रूट ने उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जो अपने 100वें टेस्ट में शतक बनाने के साथ ही अपनी टीम के कप्तान भी थे। अब तक 11 भारतीय 100 टेस्ट खेल चुके हैं, लेकिन कोई भी भारतीय अपने 100वें टेस्ट में शतक नहीं जड़ सका है। ऐसे में अब विराट से सभी को उम्मीद होगी कि वह अपने 100वें टेस्ट में शतक जड़कर इस सूची में भारतीयों की उपस्थिति दर्ज कराएं।

अमेरिका और उसके सहयोगी रुस को कंगाल करने में जुटे

यूक्रेन पर हमला करने के बाद

वाशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन पर हमला करके रूस ने अपने लिए बड़ी आफत मोल ले ली है। अमेरिका और नाटो में उसके सहयोगी कई देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इसका सीधा असर रूसी इकॉनमी पर दिखने लगा है। आर्थिक मोर्चे पर रूस को भारी नुकसान हुआ है। देश की करेंसी रूबल की वैल्यू घट रही है, और वह महज कागज का टुकड़ा बनने की ओर है। इसकारण अब कोई भी रूबल को अपने पास नहीं रखना चाहता है। इन प्रतिबंधों के कारण रूस के दुनिया में अलग-थलग पड़ने की आशंका है। रूसी बैंकों की स्थिति धीरे-धीरे खराब होने लगी है। रूस में आम लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन रहा है। बैंकों और एटीएम के सामने लोगों की लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। रूस की जनता को इसका डर सता रहा है, कि कहीं बाद में पैसे की निकासी पर लिमिट ना लग जाए। इस कारण लोग ज्यादा से ज्यादा कैश निकाल रहे हैं। रूसी मुद्रा की वैल्यू गिरने से महंगाई चरम पर पहुंचने का भी खतरा है।

अभी एक्सपर्ट इसका सटीक आंकलन लगाने में जुटे हुए हैं। लेकिन उनका यह दावा है कि आने वाले दिनों में रूसी बैंक कंगाल होने वाले हैं, करेंसी कौड़ियों के भाव रह जाएगी, अर्थव्यवस्था मंदी में चली जाएगी, महंगाई बढ़ेगी और बेरोजगारी चरम पर होगी। यूरोपीय यूनियन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका ने रूस की इकॉनमी की कमर तोड़ने के लिए उस चार तरफ से घेरा है। रूस के प्रमुख बैंकों को पैसा ट्रांसफर करने वाले इंटरनैशनल सिस्टम स्विफ्ट से बाहर कर दिया गया है। ये बैंक कई देशों से कट चुके हैं। इसके साथ ही रूस के सेंट्रल बैंक के अंतरराष्ट्रीय खाते सीज हो गए हैं। इसका मतलब है कि रूस विदेशों में पड़े अपने पैसों का इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है। इसके अलावा रूसी अमीरों की एसेट्स और कंपनियों पर निगरानी तेज हुई है। उनके वीजा पर रोक लगा दी गई है।

इन अमीरों में कई राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के करीबी हैं। प्रतिबंध के बाद वे विदेशों में अपनी संपत्ति और पैसे का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। साथ ही रूस के साथ निर्यात और आयात को बिल्कुल जीरो करने की ओर कदम बढ़ाया जा रहा है। यानी ना ही रूस से कोई माल खरीदा जाएगा और ना ही कोई उत्पाद उस बेचा जाएगा। अमेरिकी हवाई क्षेत्र में रूसी विमानों को प्रतिबंधित किया गया है। यह सब रूसी इकॉनमी को ध्वस्त करने की योजना का हिस्सा है। अनुमान के मुताबिक रूसी करीब 800 अरब अमेरिकी डॉलर की संपत्ति फ्रीज हो चुकी है। यह पैसा पश्चिमी देशों के कब्जे में है। उसका लेन-देन ठप हो गया है। अब अपने बाजार को बचाने के लिए रूस के केंद्रीय बैंक अपने भंडार का इस्तेमाल करना होगा। सोना और विदेशी करेंसी को बेचकर संभालना होगा। बैंकों पर दबाव बढ़ने से रूसी वित्तीय प्रणाली को बड़ा नुकसान होगा। आयात पर पाबंदी से घरेलू उत्पादन प्रभावित होगा।

अमेरिका ने रूस के दो सरकारी बैंकों को यूएस-यूरोप में कारोबार से रोक दिया है। इस तरह जर्मनी ने 11.6 अरब डॉलर की नार्ड स्ट्रीम 2 गैस परियोजना रोक दी है। ब्रिटेन ने पांच रूसी बैंकों और तीन रूसी अरबपतियों पर पाबंदियां लगा दी हैं। जापान ने रूसी बॉन्ड पर रोक के साथ ही कुछ लोगों की देश में एंट्री बैन कर दी है। यूरोपीय यूनियन ने डिफेंस और बैंकिंग सेक्टर के 27 रूसी अफसरों पर प्रतिबंध लगाया है। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया ने रूसी सुरक्षा परिषद के आठ सदस्यों की देश में एंट्री पर रोक लगाई है। साथ ही दुनिया की कई कंपनियों ने भी रूस में अपना कामकाज समेट लिया है। वीजा इंक और मास्टकार्ड ने भी रूस की कई वित्तीय संस्थाओं की भुगतान प्रणाली पर रोक लगा दी है। गूगल ने रूस के मीडिया प्लेटफॉर्म आरटी को ब्लॉक कर दिया। साथ ही अन्य चैनलों पर वीडियो विज्ञापन से मिलने वाले पैसे पर प्रतिबंध लगाया है। फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने भी अपने प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन से होने वाली कमाई पर रोक लगा दी है। नेसडैक इंक और इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज इंक ने अपने एक्सचेंजों में लिस्टेड रूस की कंपनियों के शेयरों के कारोबार पर अस्थायी रूप से रोक लगाई है।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने और चांदी में तेजी आई है। सोने की कीमत 1,202 रुपये बढ़कर 51,889 प्रति दस ग्राम हो गयी। इससे पिछले कारोबारी सत्र के दौरान सोना 50,687 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत भी 2,148 रुपये की तेजी के साथ 67,956 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 65,808 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मामूली गिरावट के साथ 1,943 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया जबकि चांदी 25.18 पर लगभग बनी रही।

आपदा में अवसर तलाश रहा पाक, इमरान ने रूस से किया गेहूं और गैस आयात का करार

इस्लामाबाद (ईएमएस)। यूक्रेन पर आक्रमण के बाद प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस को पाकिस्तान ने सहारा दिया है। इमरान खान ने रूस दौरे पर व्लादिमीर पुतिन के साथ गेहूं और प्राकृतिक गैस की डील की है। इमरान ने ऐलान किया कि उन्होंने पिछले गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति से मिलने के बाद लगभग 20 लाख टन गेहूं और प्राकृतिक गैस का आयात करने का करार किया है। रूस-पाकिस्तान की इस डील को दोनों देशों के बीच बढ़ती नजदीकियों से जोड़कर देखा जा रहा है। इमरान ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पाकिस्तान दौरे के लिए भी आमंत्रित किया है। रूस इस समय अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना कर रहा है। इससे रूस की अर्थव्यवस्था को तगड़ा झटका लगने की आशंका है। यही कारण है कि चीन और पाकिस्तान रूस को बचाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं।

फरवरी में ही चीन ने रूस के साथ अरबों डॉलर के गैस की डील की है। यह डील खुद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग ने साइन की थी। माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने भी गेहूं और गैस की डील चीन के कहने पर ही साइन की है। इमरान खान ने दो दिवसीय रूस यात्रा के बारे में कहा कि हम वहां गए क्योंकि हमें रूस से 2 मिलियन टन गेहूं आयात करना है। दूसरे, हमने प्राकृतिक गैस के आयात के लिए उनके साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं क्योंकि पाकिस्तान के अपने गैस भंडार कम हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इंशाअल्लाह, समय बताएगा कि हमने बहुत चर्चा की है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की झड़ी लगा दी है। मामला यहां तक पहुंच गया है कि यूरोपीय देशों के रूस के विमानों के लिए अपनी हवाई सीमा को भी बंद कर दिया है। जर्मनी ने भी रूस के नॉर्ड स्ट्रीम-2 गैस पाइपलाइन परियोजना पर भी रोक लगा दी है। रूस इससे यूरोपीय देशों तक अपनी सस्ती गैसों को पहुंचाने की योजना पर काम कर रहा था। 11 बिलियन डॉलर की यह गैस पाइपलाइन बाल्टिक सागर से होते हुए रूस के साइबेरिया से जर्मनी तक जाने वाली थी।

रूस ने खोजा तबाही का नया तरीका, यूक्रेन में बिल्डिंग की छतों पर रहस्यमयी संकेतों से दहशत

- यूक्रेन सरकार ने सोशल मीडिया पर लोगों को चेतावनी दी, ऐसे सिंबल्स से रहें सावधान

कीव (ईएमएस)। रूस के हमले से तबाह हो रहे यूक्रेन में इन दिनों एक रहस्यमयी सिंबल की चर्चा जोरों पर है। सोशल मीडिया पर यूक्रेन के लोग एक-दूसरे को आगाह कर रहे हैं कि ऐसे सिंबल वहां तबाही ला सकते हैं। यूक्रेन की राजधानी कीएव के लोकल गवर्नमेंट ने सोशल मीडिया पर लोगों को चेतावनी दी है कि वो इन सिंबल्स से सावधान रहें। असल में इन दिनों कीएव में बिल्डिंग्स की छतों और सड़कों पर क्रॉस का एक निशान बना हुआ पाया जा रहा है। खबर के मुताबिक माना जा रहा है कि ऐसे निशान रूस को समर्थन देने वाले गद्दारों ने बनाए हैं ताकि रूसी मिसाइल सीधे इन बिल्डिंग्स को और मार्गों को निशाना बना सकें। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियोज और चेतावनी भरे संदेश खूब चल रहे हैं। ट्विटर पर जारी एक वीडियो में बिल्डिंग की छत पर गैस पाइप के ऊपर लाल रंग का क्रॉस बना दिख रहा है। कीएव की लोकल सरकार ने सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की है कि वो हाई राइज़ बिल्डिंग की छतों पर चेक करें कि क्या ऐसे निशान वहां भी बनाए गए हैं। एक और संदेश में कहा गया है कि लकड़ी पर ऐसे टैग या तो पेंट कर के बनाए गए होंगे या रिफ्लेक्शन वाले टेप से लोगों से अपील की गई है कि ऐसे सिंबल्स को किसी तरह कवर कर दें या तो इन्हें धूल वगैरह से ढक दें या फिर किसी तरह मिटा दें।

इतना ही नहीं अथॉरिटीज ने लोगों को इस बात से भी सतर्क किया है कि मुख्य चौराहों या इन्फ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटीज के पास एक छोटा ट्रांसमीटर लगा हो सकता है। कीएव के मेयर विटाली क्लिश्को ने एक बयान देकर कहा है कि सिटी ऑफिशियल्स ने लोगों से अपील की है कि वे टैग किए गए लोकेशन के बारे में लॉ इन्फोर्समेंट एजेंसी को तुरंत बताएं और जो लोग इसमें शामिल हो सकते हैं उनके बारे में सूचना दें। मेयर ने यूक्रेन में रहकर रूस का साथ देने वाले गद्दारों को 15 से 20 साल की सजा देने की चेतावनी दी है। यूक्रेन में रूस को समर्थन देने वाले गुट भी भारी तादाद में हैं।

जर्मनी के उकसाने पर हुआ था यहूदियों का कत्लेआमःचांसलर स्कोल्ज

-स्कोल्ज ने पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार इज़राइल का दौरा किया

यरूशलेम(ईएमएस)। जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ ने बुधवार को पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार इज़राइल का दौरा किया। ये ऐसा वक्त है जब यूक्रेन पर रूस का आक्रमण हो रहा है और एक नया ईरान परमाणु समझौता करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने प्रधान मंत्री नफ्ताली बेनेट के साथ यरुशलम के याद वाशेम होलोकॉस्ट स्मारक का दौरा किया, पुष्पांजलि अर्पित की और यहूदी राज्य के प्रति जर्मनी की ऐतिहासिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए अतिथि पुस्तक में एक संदेश छोड़ा। उन्होंने लिखा कि जर्मनी के उकसाने पर ही यहूदियों का कत्लेआम हुआ था।

इजरायल पीएम बेनेट ने स्कोल्ज का स्वागत करते हुए कहा कि ठयहूदियों का विनाश, एक घाव है जो जर्मनी और इजराइल के बीच संबंधों का आधार है। इस घाव से हमने मजबूत और महत्वपूर्ण संबंध बनाए हैं।ठ हालांकि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष पर जर्मनी और इजरायल के अपने-अपने मत हैं। एक तरफ स्कोल्ज की गठबंधन सरकार ने यूक्रेन के संघर्षरत क्षेत्रों में हथियार भेजने पर प्रतिबंध को उलट दिया है और रूस के साथ नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन परियोजना को रोक लगाई है। उन्होंने और नाटो के लक्ष्य को भी पार करते हुए जर्मन सेना के आधुनिकीकरण के लिए इस वर्ष 100 बिलियन यूरो (113 बिलियन डॉलर) का भी वादा किया। जर्मनी सकल घरेलू उत्पाद का सालाना दो प्रतिशत से अधिक रक्षा पर खर्च करने के लिए प्रतिबद्ध है। इजराइल ने यूक्रेन और रूस दोनों के साथ अपने गर्म संबंधों का हवाला देते हुए यूक्रेन संकट के प्रति अधिक रूढ़िवादी दृष्टिकोण अपनाया है। इजरायल के नेताओं ने कहा है कि वे रूस के साथ एक नाजुक सुरक्षा सहयोग को परेशान नहीं करना चाहते हैं, जो सीरिया में एक बड़ी सैन्य उपस्थिति संचालित कर रहा है। इजराइली मीडिया के अनुसार, बेनेट ने हथियारों के लिए यूक्रेन के अनुरोध का विरोध किया और इस सप्ताह कंबल, जल शोधन किट और चिकित्सा आपूर्ति सहित 100 टन गैर-सैन्य सहायता भेज रहा है।

तृणमूल कांग्रेस ने 12 नगरपालिकाओं में जीत दर्ज की, 34 में बनाई बढ़त

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने राज्य के 107 नगरपालिकाओं के लिए हुए चुनाव में से 12 में जीत दर्ज की हैं। जबकि 34 में वह आगे चल रही है। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) के अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भाजपा, वाम मोर्चा और कांग्रेस को अबतक किसी नगर निकाय में जीत नहीं मिली है, लेकिन ये दल कुछ शहरों के कुछ वार्डों में आगे चल रहे हैं। अधिकारी ने कहा, तृणमूल पहले ही 12 नगरपालिकाओं में जीत दर्ज कर चुकी है, जबकि 34 अन्य नगरपालिकाओं में उस बढ़त हासिल है।''

उन्होंने बताया कि सत्तारूढ़ पार्टी ने वीरभूम जिले के सभी पांच नगर निकायों, दक्षिण 24 परगना के दो नगर निकायों और कूचबिहार जिले के पांच निकायों में जीत दर्ज की है। अधिकारी के मुताबिक 108 नगर निकायों में चुनाव होने थे, लेकिन कूचबिहार जिले के दिनहाटा

विक्टर को यूक्रेन का राष्ट्रपति बनाना चाहता है रूस

-इस तरह का दावा यूक्रेन मीडिया की ओर से किया गया है

मिन्स्क(ईएमएस)। यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच यूक्रेन की मीडिया ने दावा किया है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेनी राजनेता विक्टर फेडोरोविच यानुकोविच को यूक्रेन का राष्ट्रपति बनाना चाहते हैं। जानकारी के मुताबिक यानुकोविच इस वक्त मिन्स्क में हैं।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के धुर विरोधी हैं। दावा है कि पुतिन ने बहुत बड़ा दाव खेल दिया है। वह विक्टर फेडोरोविच यानुकोविच को यूक्रेन का राष्ट्रपति बनाना चाहते हैं। इस तरह का दावा यूक्रेन की मीडिया की ओर से किया गया है कि रूस के राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच को यूक्रेन की गद्दी पर बिठना चाहते हैं।

यूक्रेन का दावा, अब तक 6000 रूसी सैनिकों को किया ढेर

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध छिड़ा हुआ है। इसी बीच रूसी सेना ने कीव में हमले तेज कर दिए हैं। तड़के सुबह खबर सामने आई कि रूस ने खारकीव में स्थित अस्पताल और टीवी टॉवर को निशाना बनाया। टीवी टॉवर पर हुए हमले में 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि अन्य 5 लोग जख्मी बताए जा रहे हैं।

वहीं यूक्रेन में हुए युद्ध में मारे गए लोगों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि अब तक यूक्रेनी सेना ने 6000 रूसी सैनिकों को मार गिराया है। वहीं वरिष्ठ पश्चिमी खुफिया अधिकारी ने अनुमान जताया है, कि 5,000 से अधिक रूसी सैनिक या कैद में हैं या मारे गए हैं। यूक्रेनी सेना को हुए नुकसान की अभी कोई जानकारी नहीं है। युद्ध के सातवें दिन यूक्रेन ने रूस में स्थित यूक्रेनी दूतावास को बंद कर दिया है। सारा स्टाफ यूक्रेन के दूतावास से चला गया है और इमारत को पूरी तरह से बंद कर दिया है। खबर है कि यूक्रेनी दूतावास से यूक्रेन ने अपना झंडा तक उतार लिया है।

खारकीव में मौजूद मिलिट्री अकादमी का रुसी सेना ने

गुजरात विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत, पहले ही दिन कांग्रेस ने किया जमकर हंगामा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा के बजट सत्र की आज से शुरूआत हो गई है और सत्र के पहले ही दिन कांग्रेस ने विभिन्न मुद्दों को लेकर सदन में जमकर हंगामा किया विधानसभा में राज्यपाल का अभिभाषण शुरू होते ही कांग्रेस सदस्यों ने सरकार पर आरोपों की बौछार करते हुए हंगामा शुरू कर दिया कांग्रेस के कई सदस्य अपनी सीट छोड़ सदन के बीचों बीच पहुंचकर हंगामा करने लगे कानून व्यवस्था को लेकर गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी पर आरोप लगाते हुए कांग्रेसी सदस्यों ने उनके इस्तीफे की मांग की कांग्रेस ने सदन में 'भाजपा तेरे राज में ड्रग्स माफिया का राज' जैसे नारे लगाए कांग्रेस सदस्यों का हंगामा देखते हुए राज्यपाल आचार्य देवव्रत संक्षिप्त अभिभाषण कर सदन से रवाना हो गए विधानसभा की कार्यवाही से पूर्व ही कांग्रेस विधायक इमरान खेडावाला ने अहमदाबाद की बंद टेक्सटाइल मिलों के संदर्भ में हाथ बेनर्स और बेनर के साथ सदन में पहुंचे उन्होंने कहा कि एक समय था, जब टेक्सटाइल मिलों के कारण अहमदाबाद मान्चेस्टर माना जाता था लेकिन प्रदूषण के कारण मिलें बंद करवाने से अहमदाबाद के भव्य भूतकाल नष्ट हो गया और कामगार बेरोजगार हो गए खेडावाला ने मांग की है कि सरकार इस संदर्भ में ठोस कानून बनाए और जिन मिलों के पास लाइसंस नहीं है, उनके लिए समय मर्यादा तय कर कामगारों को रोजगार मिले ऐसे प्रयास करे बता दें कि राज्य के वित्त मंत्री कनु देसाई गुरुवार को अपना पहला बजट पेश करेंगे मौजूदा सत्र में 8 शनिवार-रविवार और 18 मार्च को होली समेत 9 अवकाश छोड़ 22 सदन की कार्यवारी होगी मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सरकार का यह पहला बजट है और इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण और कृषि ग्रांट में इजाफा किया जा सकता है खासकर आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं से भरपूर बजट पेश करती है सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों के लिए आय मर्यादा भी बढ़ाए जाने की उम्मीद है बजट सत्र के दौरान राज्य सरकार द्वारा नए और संशोधन विधेयक पेश किए जाने की संभावना है जिसमें लैंड ग्रेबिंग संशोधन विधेयक, नया कृषि यूनिवर्सिटी, विधेयक, ऑनलाइन जुआ जैसी गैम पर नियंत्रण विधेयक, मॉल-सिनेमा जैसे सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी के एक्सेस को मंजूरी देने वाला विधेयक, आवारा पशुओं पर नियंत्रण संबंधी विधेयक और अशांत क्षेत्र धारा संशोधन विधेयक शामिल हैं

गुजरात के एक शहर और 8 जिलों में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना अंतिम सांसे गिनने लगा है बुधवार को राज्यभर में कोरोना के 116 नए केस सामने आए, वहीं 334 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया जबकि 1 मरीज की कोरोना से मौत हो गई राज्य के 8 जिले और 1 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में कोरोना के सबसे अधिक 47 नए मामले सामने आए वहीं वडोदरा कॉर्पोरेशन में 17 और वडोदरा में 9 केस दर्ज हुए हैं आणंद, बनासकांठा, कच्छ और सूरत में 4-4, दाहोद, गांधीनगर कॉर्पोरेशन और खेडा में 3-3, महीसागर, मेहसाणा, पाटन, राजकोट कॉर्पोरेशन और सुरेन्द्रनगर में 2-2, छोटाउदेपुर, मोरबी, नवसारी, पंचमहल, राजकोट, साबरकांठा, सूरत कॉर्पोरेशन और तापी में 1-1 समेत 116 नए केस पिछले 24 घंटों में दर्ज हुए हैं अहमदाबाद, अमरेली, अरवल्ली, भरुच, भावनगर, भावनगर कॉर्पोरेशन, बोटाद, डांग, देवभूमि द्वारका, गांधीनगर, गिर सोमनाथ, जामनगर, जामनगर कॉर्पोरेशन, जूनागढ़, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन, नर्मदा, पोरबंदर और वलसाड में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ राज्य के अरवल्ली, बोटाद, देवभूमि द्वारका, जामनगर, जूनागढ़, नर्मदा, पोरबंदर, वलसाड समेत 8 जिले और जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है पिछले 24 घंटों में 334 लोगों को डिस्चार्ज करने के साथ ही राज्य में एक्टिव केसों की संख्या 1428 रह गई है, जिसमें 1414 स्टेबल हैं और 14 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं राज्य में अब तक 1210545 लोग कोरोना को मात देकर से स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 10933 मरीजों की मौत हो चुकी है बुधवार को राज्य में 79461 नागरिकों का टीकाकरण किया गया जिसमें 16 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 15 को कोविड का दूसरा डोज दिया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 1300 लोगों को पहला और 4678 लोगों को दूसरा टीका लगाया गया 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 5659 को पहला और 26706 नागरिकों को दूसरा डोज दिया गया 15 से 18 वर्षीय 1222 किशोरों को पहली और 29185 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई जबकि 10680 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया राज्य में अब तक 103094826 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है

अभी तक में १२३ ही वापस आये

गुजरात के १३०० विद्यार्थी यूक्रेन में अभी फंसे हुए हैं

भारत के विभिन्न राज्यों में से कई विद्यार्थी पढ़ाई करने के लिए यूक्रेन गये हैं, सरकार ने ऑपरेशन गंगा शुरू किया है

गांधीनगर, २ मार्च ।

गुरुवार को रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था और तब से युद्ध जारी है । युद्ध की वजह से गुजरात से मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए गये करीब २५०० से ३ हजार जितने विद्यार्थी अभी फंसे हुए हैं ।

देश के अलग-अलग राज्य के २० हजार विद्यार्थी वहां पढ़ाई कर रहे है । उनको सुरक्षित अपने वतन वापस लाने के लिए ऑपरेशन गंगा शुरू किया है । जिसके तहत गुजरात के १२३ विद्यार्थी स्पेशियल फ्लाइट द्वारा परिवार के पास वापस आये हैं । हालांकि अभी भी १३०० विद्यार्थी वहां फंसे हुए हैं । राज्य के एनआरजी प्रभाग द्वारा शुरू किए गए कंट्रोल रुम को २०० फोन कॉल्स, ईमेल मिले हैं । यह विद्यार्थियों को भी गुजरात लाने के लिए प्रयास शुरू किए गए हैं । दूसरी तरफ मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की सूचना से राज्य के सभी विद्यार्थियों को संभव हो इतनी जल्दी से गुजरात वापस लाने के लिए शुरू किए गए प्रयास के तहत एनआरजी प्रभाग का कंट्रोल रुम जिला तथा राज्य स्तर पर शुरू किया गया है ।

इसमें मिली पेशकश, ईमेल की जानकारियां शोर्टलिस्ट की गई है । जानकारी को भारत सरकार द्वारा विदेश मंत्रालय और यूक्रेन के भारतीय राजदूतालय को भेज दिया गया है ।

अहमदाबाद, गांधीनगर, मेहसाणा, आणंद, वडोदरा, राजकोट और दाहोद सहित के करीब १८ जिला, नगरों में से करीब ढाई से तीन हजार विद्यार्थी यूक्रेन में मेडिकल पढ़ाई के लिए गये होने की प्राथमिक जानकारी है । एक बातचीत में एनआरजी प्रभाग के डिरेक्टर प्रभात सिंह जादव ने बताया है कि, यूक्रेन में पढ़ाई के लिए गये विद्यार्थियों के अभिभावक के पास से उनके संतानों की जानकारियां एक स्थल प प्राप्त हो और इसे भारत सरकार तथा विदेश मंत्रालय के साथ संकलन में रहकर वतन वापस लाने के लिए कवायद शुरू की गई है । इसमें सुबह के ९ से शाम के ९ तक की हेल्पलाइन ०७९-२३२३३८२७८ शुरू की ग्ई है और इसके साथ nrgfoundation@yahoo.co.in ईमेल पेश किया गया है ।

गुजरात की बेटी पर अभिनंदन की बारिश हो रही है

युद्ध शुरू होने पर २४२ विद्यार्थियों को बचाकर टीम के साथ वापस आई थी

कच्छ, २ मार्च ।

फिलहाल दुनियाभर में रूस और यूक्रेन के बीच का युद्ध चर्चा में हैं । एक तरफ लोग यूक्रेन तरफ इमोशन व्यक्त कर रहे हैं, दूसरी तरफ रूस के खिलाफ लोग आलोचना कर रहे है । लेकिन इस बीच एक युवती पर अभिनंदन की बारिश हो रही है । कच्छ की बेटी यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध की पहली गवाह बनी है । यह युवती युद्ध के बीच भारतीय विद्यार्थियों को बचाने का काम कर रही है । कच्छ की दिशा गडा एयर इंडिया का विमान लेकर यूक्रेन में लैंड हुई और एक घंटे में युद्ध शुरू होने पर २४२ भारतीय विद्यार्थियों को बचाकर टीम के साथ वापस आई थी । युद्ध की घोषणा पहले ही दिन में २४२ भारतीयों को वापस लेकर आई प्रथम कच्छी महिला विश्व में विवादास्पद हुई युद्ध की गवाह बनी है । कच्छ के तूम्बडी की दिशा गडा एयर इंडिया में पायलोट है । फिलहाल जैन समाज से दिशा गडा पर अभिनंदन की बारिश हो रही है । युद्ध के पहले दिन में ही दिशा गडा एयर इंडिया की फ्लाइट में अन्य चार वरिष्ठ मैंबरों के साथ थी । यह फ्लाइट वाया काला समुद्र होकर यूक्रेन के कवीव स्थित बोरिस्पिल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से ८० नोटिकल माइल दूर थी । दिशा यूक्रेन में मौजूद थी वहां ही युद्ध का आरंभ हो चुका था । दिशा गडा के लिए युद्ध के कठिन समय में प्लेन चलाना चुनौतीपूर्ण काम था । अन्य सीनियरों के मार्गदर्शन के तहत हवाइअड्डा पर निश्चित की अपेक्षा कम स्पेस में प्लेन लैंड किया था । इसके बाद एयर इंडिया के उच्च अधिकारियों ने वहां की एयरपोर्ट अथॉरिटी के साथ बातचीत करके एक घंटे के समय में यूक्रेन से भारत आने चाहते मेडिकल के २४२ छात्रों को वापस मुंबई लाया गया था । इस तरह दिशा सहित कई क्रू मैंबर्स फंसे हुए विद्यार्थियों के लिए तारणहार साबित हुए थे । छात्रों को वापस लाने में मददरूप होने वाली टीम में शामिल पायलोट दिशा गडा कच्छ जिले की मोटी तुंबडी में रहती लीनाबहन जयेश गडा की बेटी है ।

कोलकाता के व्यापारी का अपहरण और हत्या का आरोपी गुजरात एटीएस की गिरफ्त में

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात एटीएस ने कोलकाता के एक व्यापारी का अपहरण करने और रु. 25 लाख की फिरौती लेने के बावजूद उसकी हत्या कर फरार आरोपी को महाराष्ट्र के शिरडी से गिरफ्तार कर लिया शिरडी से पकड़ा गया आरोपी अहमदाबाद की एक होटल में भी रुका था जानकारी के मुताबिक कोलकाता में रहनेवाले ज्वैलर्स शांतिलाल वैद्य का विशाल शर्मा नामक शख्स ने अपहरण कर उनके परिवार से एक करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी हांलाकि बातचीत के बाद व्यापारी के परिवार ने रु. 25 लाख विशाल शर्मा को दे दिए फिरौती की रकम मिलने के बावजूद विशाल शर्मा ने शांतिलाल वैद्य को छोड़ने के बजाए टेलीफोन के तार से गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी और फरार हो गया अपहरण और हत्या के आरोपी विशाल शर्मा की पुलिस तलाश कर रही थी विशाल शर्मा के सिर पर रु. 50000 का ईनाम भी घोषित किया गया था इस बीच गुजरात एटीएस को सूचना मिली कि विशाल शर्मा अहमदाबाद के रायपुर क्षेत्र की एक होटल में रुका था जिसके बाद वह महाराष्ट्र के शिरडी की एक होटल में छिपा है सूचना के आधार पर गुजरात एटीएस की टीम शिरडी पहुंच गई और विशाल शर्मा को गिरफ्तार कर उसे कोलकाता पुलिस के हवाले करने की कवायद शुरू की है

कोर्ट में महिला ने वकीलों को भी दुविधा में डाल दिया

दो बार फरार हुई बेटी को स्वीकार करने के लिए महिला का इनकार कर दिया

लड़की को पुलिस ने ढूंढ निकाला लेकिन मां ने इसे स्वीकार करने से मना कर दिया

महिला ने बॉयफ्रेंड के साथ भाग गई बेटी की सुरक्षा की चिंता व्यक्त की थी

अहमदाबाद, २ मार्च ।

गुजरात हाईकोर्ट के वकीलों एक महिला अर्जीकर्ता की बात सुनकर दुविधा में पड़ गये हैं । महिला ने बॉयफ्रेंड के साथ भाग गई बेटी की सुरक्षा की चिंता व्यक्त करके इसे ढूंढने के लिए बहुत मेनहत की थी और जबकि वह बेटी मिल गई तब महिला ने इसे छोड़ दिया । यह देखकर हाईकोर्ट के कर्मचारी भी चौंक गये थे । केस की विस्तार से चर्चा करे तो साबरकांठा जिले के इडर शहर में १२वीं कक्षा में पढ़ाई करती एक लड़की का यह केस है । यह अपने बॉयफ्रेंड के साथ दो बार भाग गई थी । जबकि वह मिली तब बॉयफ्रेंड की पोस्को के तहत गिरफ्तारी की गई थी । जबकि इसे जमानत मिली तो वह फिर एक बार भाग गया था । बेटी दूसरी बार भाग गई तो महिला ने अक्टूबर २०२१ में मदद के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था कि उनकी बेटी को गैरककानूनी रूप से बंधक बनाई गई है । हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद फिर एक बार बेटी को ढूंढ निकाली गई थी । २८ जनवरी को जबकि इसे कोर्ट के समक्ष पेश की गई तब अर्जीकर्ता महिला पेश नहीं हुई । आगामी सुनवाई के दौरान अर्जीकर्ता मां और उनके बेटे ने शिकायत की पुलिस ने उनके परिवार को इस मामले में जानकारी नहीं दी थी । हालांकि यहां चौंकाने वाली बात यह है कि वह मेहसाणा के महिला सुरक्षा गृह में रखी गई अपनी बेटी को मिलने भी नहीं गई थी । कोर्ट ने अर्जीकर्ता महिला की अयोग्य रवैये को ध्यान में लिया था । गत सप्ताह में जबकि कोर्ट में बेटी को पेश की गई तब इसकी मां और भाई भी पेश हुए थे । बेटी ने कोर्ट को बताया हैकि वह प्रोटेक्शन होम में नहीं रहना चाहती है । वह अपने घर पर परिवार के साथ रहना चाहती है और पढ़ाई पूरा करना चाहती है । हालांकि महिला अपनी बेटी को वापस नहीं ले जाना चाहती थी । उसने बेटी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और सिस्टम के विरूद्ध शिकायतें करते रहे ।

केशोद-मुंबई दैनिक फ्लाइट १२ मार्च से शुरू हो जाएगी

अहमदाबाद, २ मार्च ।

आगामी १२ मार्च से केशोद एयरपोर्ट पर से केशोद-मुंबई फ्लाइट का प्रारंभ होने जा रहा है । इसके लिए कार्यक्रम में केंद्रीय उड्डयन मंत्री सिंधिया उपस्थित रहेंगे । एयरपोर्ट के पास अभी भी फ्लाइट के लिए टाइमटेबल नहीं आया है लेकिन दैनिक फ्लाइट होगी । जूनागढ़ जिले में सिर्फ एक केशोद में एयरपोर्ट स्थित है लेकिन वहां पिछले दो दशक से विमान की सेवाएं बंद थी । वीआईपी लोग आये तब उनके प्लेन का केशोद एयरपोर्ट पर लैंडिंग होती थी । पिछले ४ वर्ष से केशोद एयरपोर्ट पर से उडान के तहत विमान की सेवा शुरू होने की बातें हो रही थी लेकिन इस दिशा में कोई निश्चित कार्रवाई नहीं हो रही । आखिर में सरकार ने दो दशक से बंद रही विमान की सेवा शुरू करने का निर्णय लिया था । जूनागढ़ के नवाब ने केशोद में ४६० एकड़ जगह में अपना प्लेन के लिए एयरपोर्ट बनाया था । बाद में १९८० में सरकार द्वारा इसका रिनोवेशन किया गया था और २००० के वर्ष तक विमान सेवा चालू रही थी । तब से विमान सेवा बंद थी। जो २३ मार्च, २०२० को केशोद-अहमदाबाद सेवा द्वारा फिर शुरू हुई थी ।

युवक ने दो नाबालिग लड़कियों के साथ किया दुष्कर्म, तीन आरोपी गिरफ्तार

देवभूमि द्वारका (ईएमएस) जामखंभालिय में एक युवक द्वारा दो नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म किए जाने की घटना सामने आई है युवक की हवस का शिकार हुई दोनों लड़कियां सगी बहनें हैं इस मामले में पुलिस ने युवक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है जानकारी के मुताबिक देवभूमि द्वारका जिले के जामखंभालिया में रहनेवाले करीब 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ निकेश चंदू प्रजापति नामक युवक ने बहला-फुसलाकर दोस्ती की बाद में उसे अलग अलग जगहों पर ले जाकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए जनवरी से शुरू हुए इस सिलसिले के अंतर्गत गत 27 फरवरी को निकेश ने लड़की से कहा कि वह अपना प्रेग्नन्सी टेस्ट करवा ले जिसके बाद लड़की अपनी 14 वर्षीय सगी बहन को लेकर युवक के बताए स्थल पर पहुंच गई जहां निकेश ने पीड़िता की छोटी बहन को अलग कमरे में बुलाया लेकिन बड़ी बहन ने छोटी बहन को अकेले कमरे में भेजने से इंकार कर दिया जिसके बाद निकेश प्रजापति के साथ आए आशीष आहिर और महेश चावडा ने बड़ी बहन के हाथ-पैर दुपट्टे से बांध दिया और चाकू दिखाकर धमकी दी कि अगर उसने शोर मचाया तो जान से मार देंगे बाद में निकेश ने पीड़िता की छोटी बहन के साथ दुष्कर्म किया दो नाबालिग लड़कियों के पिता की शिकायत के आधार पर खंभालिया पुलिस ने आरोपी निकेश प्रजापति समेत उसकी मदद करनेवाले आशीष आहिर और महेश चावडा को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है

एनपीसीआई ने रुपे नेटवर्क पर लॉन्च किया यात्रा एसबीआई कार्ड को-ब्रांडेड कॉन्टैक्टलेस क्रेडिट कार्ड

मुंबई - 02 मार्च, 2022- नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने रुपे नेटवर्क पर अपनी तरह का अनूठा को-ब्रांडेड 'यात्रा एसबीआई कार्ड' लॉन्च करने के लिए यात्रा डॉट कॉम और एसबीआई कार्ड के साथ साझेदारी की है। यह हॉलिडे-कम-शॉपिंग क्रेडिट कार्ड यात्रियों और हॉलिडे लवर्स को फ्लाइट और होटलों की बुकिंग पर विशेष फायदे प्रदान करता है। ये फायदे साल में 6 बार हासिल किए जा सकते हैं। वेलकल ऑनबोर्डिंग उपहार के रूप में, इस कार्ड के उपयोगकर्ता 8,250 रुपए के यात्रा डॉट कॉम वाउचर के हकदार हैं। वे इस वाउचर का उपयोग डॉट कॉम से फ्लाइट टिकट, होटल आरक्षण इत्यादि बुक करने के लिए कर सकते हैं।

कार्ड भारतीय यात्रियों के लिए यात्रा, छुट्टी और खरीदारी के बेजोड़ विकल्प प्रदान करेगा। नए कार्ड का उपयोग करने पर, यात्रियों को डिपार्टमेंटल स्टोर, किराना, डाइनिंग, मूवी, मनोरंजन और अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर खर्च किए गए प्रति 100 रुपए पर 6 रिवॉर्ड पॉइंट मिलेंगे।

टाटा मोटर्स की रंजनगांव फैसिलिटी में तीन लाखवीं नेक्सॉन का उत्पाटदन किया गया

टाटा मोटर्स ने पोर्टफोलियो का विस्तार कर इस जश्नं में चार-चांद लगाये

~ XZ± (P) / XZA± (P) और **XZ± (HS) / XZA± (HS)** वैरिएंट्स लॉन्चॉ किये ।

मुंबई, 28 फरवरी, 2022: भारत के अग्रणी ऑटोमोटिव ब्राण्डट टाटा मोटर्स ने आज पुणे के रंजनगांव में स्थित अपनी सुविधा से भारत की पहली जीएनसीएपी 5स्टाअर रेटेड कार नेक्सॉन की 3,00,000वीं (तीन लाखवीं) यूनिट निकलने का जश्नध मनाया। जून 2021 में नेक्सॉन की 2,00,000वीं यूनिट निकलने के बाद टाटा मोटर्स ने 8 महीने से कम समय में इसकी 1,00,000 यूनिट्स निकाली हैं। नेक्सॉन हाल ही में भारत में सबसे ज्या दा बिकने वाली टॉप 5 कारों में शामिल हुई है और इसने कई पुरस्काजर जीते हैं और इस प्रकार अपने सेगमेंट की नंबर 1 बिक्री वाली कॉम्पैनक्टब एसयूवी बन गई है। इसके अलावा, ब्राण्ड नेक्सॉन ने न केवल इंटर्नल कम्ब स्टान के मामले में अपनी दक्षता को सिद्ध किया है, बल्कि बंधनों को तोड़कर भारत में ईवी की क्रांति का नेतृत्वत किया है। 50 मिलियन किलोमीटर से ज्या्दा चलाई गई और प्रमाणित नेक्सॉन ईवी ने लगभग 9860 टन ण्ध्2 उत्सवर्जन की बचत की है, जो कि 1.47 लाख पेड़ लगाने के बराबर है। 13500 से ज्यादा प्रसन्न ग्राहकों के साथ अभी नेक्सॉन ईवी भारतीय ईवी 4-व्हीबलर सेगमेंट पर हावी है और बाजार में अभी तक इसकी हिस्से दारी 62ज्ञ से ज्या दा है।

इस उपलब्धि को यादगार बनाने के लिये और ब्राण्डा के 'न्यूद फॉरएवर' वादे को निभाते हुए, टाटा मोटर्स ने आज इस सफल कॉम्पैबक्टग एसयूवी के टॉप ट्रिम्सत में 4 नये वैरिएंट्स लॉन्चर किये- **XZ± (P) / XZA± (P)** और **XZ± (HS) / XZA± (HS)**~ यह वैरिएंट्स पेट्रोल और डीजल, दोनों में हैं और रंग में रोयाल ब्लू का नया विकल्पल भी आया है। यह वैरिएंट्स क्ष्ॅ अवतार में भी पेश होंगे। नये वैरिएंट्स की बुकिंग आज से शुरू हो रही है और यह टाटा मोटर्स की सभी अधिकृत डीलरशिप्स पर उपलब्ध होंगे।

11 मार्च की जामनगर-तिरुनलवेली एक्सप्रेस नागरकोइल टाउन तक जाएगी

दक्षिण रेलवे द्वारा अरालवायमोली-वल्लीयूर सेक्शन में डबल ट्रैक कार्य के चलते 11 मार्च, 2022 को गाड़ी संख्या 19578 जामनगर-तिरुनलवेली एक्सप्रेस जामनगर से रवाना होकर तिरुनलवेली की जगह नागरकोइल स्टेशन तक जाएगी। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के अनुसार जिन स्टेशनों पर यह ट्रेन नहीं जाएगी उसमें वल्लीयूर और तिरुनलवेली शामिल हैं। यात्री ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

ओखा-गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन के कटिहार स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान के समय में परिवर्तन

उत्तर फ्रंटियर रेलवे के कटिहार स्टेशन पर ओखा गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन के आगमन-प्रस्थान के समय में परिवर्तन किया गया है। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के अनुसार दिनांक 4 मार्च, 2022 से ट्रेन संख्या 15635 ओखा-गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन का कटिहार स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान का समय 17:20/17:30 बजे की बजाय 17:00 /17:10 बजे रहेगा। यात्री ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

जीरो स्क्रैप मिशन' को जारी रखते हुए पश्चिम रेलवे ने फरवरी, 2022 में ही वार्षिक स्क्रैप बिक्री लक्ष्य को कर लिया पार

अहमदाबाद , पश्चिम रेलवे अपने सभी रेलवे प्रतिष्ठानों और इकाइयों को ठमिशन जीरो स्क्रैपठ के तहत स्क्रैप मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पश्चिम रेलवे एवं मध्यर रेल के महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी के गतिशील नेतृत्व और मार्गदर्शन में चालू वित्तीय वर्ष में पश्चिम रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के अपने वार्षिक स्क्रैप बिक्री लक्ष्य को फरवरी, 2022 के महीने में ही पार कर लिया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पिछले तीन वर्षों में पश्चिम रेलवे लगातार लगभग 500 करोड़ रुपये के स्क्रैप की बिक्री कर रही है जिससे अवरुद्ध धन के मुद्रीकरण और परिणामस्वरूप राजस्व सृजन में मदद मिली है। जीरो स्क्रैप मिशन की दिशा में आगे बढ़ते हुए इस वर्ष भी पश्चिम रेलवे ने फरवरी, 2022 तक 433.72 करोड़ रुपये की स्क्रै प बिक्रर की है जो गत वर्ष की इसी अवधि की 403.27 करोड़ रुपये की बिक्री से 7.55ज्ञ अधिक है। इसके साथ पश्चिम रेलवे ने न केवल 390 करोड़ रुपये के वार्षिक स्क्रैप बिक्री लक्ष्य को हासिल किया है, बल्कि इसे काफी अंतर से पार भी कर लिया है। महाप्रबंधक लाहोटी के दिशा निर्देशों के अनुरूप प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक अरुण मेहता एवं उनकी टीम ने जोनल रेलवे को पूरी तरह से स्क्रैप मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और चालू वर्ष के अंत तक अपने सभी कार्यस्थलों को 100ज्ञ स्क्रैप मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है।

गांधीधाम-कामाख्या एक्सप्रेस एवं ओखा-गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेनों के कटिहार स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान के समय में परिवर्तन

उत्तर फ्रंटियर रेलवे के कटिहार स्टेशन पर गांधीधाम-कामाख्या एक्सप्रेस एवं ओखा गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान के समय में परिवर्तन किया गया है। जो इस प्रकार है:-

दिनांक 5 मार्च 2022 से ट्रेन संख्या 15667 गांधीधाम-कामाख्या एक्सप्रेस का कटिहार स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान का समय 17:20/17:35 बजे की बजाय 17:00/17:10 बजे रहेगा।

दिनांक 4 मार्च 2022 से ट्रेन संख्या 15635 ओखा-गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन का कटिहार स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान का समय 17:20/17:30 बजे की बजाय 17:00 / 17:10 बजे रहेगा।

यात्री ट्रेनों के परिचालन समय,ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए **www.enquiry.iâianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

खंभालिया में एक साथ दो किशोरी बहनों के साथ दुष्कर्म किया गया

द्वारका, २ मार्च ।

पवित्र देवभूमि द्वारका जिला कलंकित हो जाए ऐसी घटना हुई है । द्वारका जिले के मुख्य केंद्र खंभालिया में एक साथ दो किशोरी बहनों के साथ दुष्कर्म की घटना हुई है । एक साथ दो किशोरी बहन दुष्कर्म का शिकार हुई हो ऐसी गुजरात की यह पहली घटना है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, खंभालिया में निकेश चंदु प्रजापति, आशिष कारू आहीर, महेश चावडा नाम के शख्सों ने एक-दूसरे को मदद करके किशोरी के साथ दोस्ती की थी । बाद में दोस्ती की आड़ में दोनों बहनों के साथ दुष्कर्म किया गया । आरोपी निकेश प्रजापति ने सबसे पहले १६ वर्ष की किशोरी के साथ दोस्ती की थी, बाद में इसे प्रेम के जाल में फंसाकर इसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया था । लेकिन हवसखोरों ने इतने से नहीं रूके थे । किशोरी के साथ आई इसकी १४ वर्ष की छोटी बहन को भी हवसखोरों ने चाकू बताकर अपनी हवस का शिकार बनाया था । पूरा मामला खंभालिया पुलिस स्टेशन में पहुंचने पर खंभालिया पुलिस ने पोक्सो एक्ट की धारा के साथ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के अनुसार आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज किया गया । तथा हवसखोरों को हिरासत में लेने के लिए कार्रवाई की गई थी ।

नक्षत्र बिल्डिग के ऑफिस में फलदू ने फांसी लगाई

राजकोट के बिजनेसमैन महेंद्र फलदू का सुसाइड

ऑफिस में फांसी लगाई, सुसाइड नोट में लिखा-ओजोन ग्रुप जिम्मेदार, मेरी ३३ करोड़ रुपए की संपत्ति के दस्तावेज नहीं दिए

राजकोट, २ मार्च ।

राजकोट के जाने-माने कारोबारी और सौराष्ट्र के प्रसिद्ध कडवा पाटीदार समाज युवा क्लब के चेयरमैन महेंद्र फलदू ने आज फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया । फांसी लगाने से पहले उन्होंने कोई दवा भी खाई थी, जिसकी जांच की जा रही है । फलदू ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उन्होंने अपनी मौत का जिम्मेदार ओजोन ग्रुप को ठहराया है ।

उनका कहना है कि ग्रुप के अधिकारियों ने ३३ करोड़ रुपए की संपत्ति के दस्तावेज उन्हें नहीं सौंपे । राजकोट के १५० फीट रिंग रोड स्थित नक्षत्र बिल्डिग के ऑफिस में फलदू ने फांसी लगाई । फलदू के सुसाइड की जानकारी तब हुई, जब उन्होंने अपना सुसाइड नोट एक प्रेस नोट के रूप में लिखकर कई मीडिया समूहों को ऑनलाइन भेजा । इसकी सूचना मिलते ही दोस्त और राजनीतिक नेता भी मौके पर पहुंचे और शव को सिविल अस्पताल ले आए । सुसाइड नोट में उन्होंने अपने सुसाइड के लिए अमित चौहान, एमएम पटेल, अतुल मेहता के नाम का भी जिक्र किया है ।

महेंद्र फलदू के इकलौते बेटे प्रियांक ने बताया कि महेंद्र फलदू ने कार्यालय के कर्मचारियों को सुबह देर से ऑफिस आने का निर्देश दिया था, जबकि वे खुद सुबह ८.३० बजे ही ऑफिस पहुंच गए थे ।

इसके बाद करीब १० बजे उन्होंने सुसाइड कर लिया, क्योंकि सुबह साढ़े नौ बजे के करीब उन्होंने अपना सुसाइड नोट कई मीडिया हाउस को ऑनलाइन भेजा था । फलदू के सुसाइड नोट से मिली जानकारी के अनुसार उन्होंने ओजोन ग्रुप के जयेश कुमार पटेल, दीपक पटेल, प्रकाश चंदुलाल पटेल, पथकुमार कांतिलाल पटेल और राजकोट शहर के बिल्डर एमएम पटेल (सुरेजा), अमितभाई चौहाण, अतुलभाई मेहता के साथ मिलकर पार्टनरशिप में अहमदाबाद के पास करीब ३३ करोड़ रुपए कीमत की जमीन खरीदी थी ।

इस जमीन पर ये सभी द तस्क बीच सिटी नाम का कॉलोनी बना रहे थे । इस प्रोजेक्ट के लिए महेंद्र फलदू ने वर्ष २००७ में ही एडवांस के रूप में करीब साढ़े तीन करोड़ रुपए जमा करा दिए थे । इसके बाद समय-समय पर पैसे जमा कराते रहे लेकिन पिछले कुछ समय से कंपनी के हिस्सेदारों के साथ जमीन के मालिकाना हक को लेकर उनका विवाद चल रहा था । फलदू का आरोप है कि ओजोन ग्रुप के सदस्य उन्हें उस जमीन के दस्तावेज नहीं दे रहे थे ।

पश्चिम रेलवे ने फरवरी, 2022 में माल लदान में 7.25 मिलियन टन की उपलब्धि हासिल की

2015 के बाद से फरवरी महीने में अब तक का सर्वश्रेष्ठ माल लदान

पश्चिम रेलवे ने अपने राजस्व को बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम संभव प्रयास किए हैं और इसकी गति को बनाए रखना जारी रखा है। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न सबसे कठिन चुनौतियों के बावजूद पश्चिम रेलवे ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए पश्चिम रेलवे ने फरवरी, 2022 में 7.25 मिलियन टन माल लदान हासिल किया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फरवरी, 2022 में 7.25 मिलियन टन का लदान हासिल किया गया, जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 6.63 मिलियन टन की तुलना में 9.4ज्ञ अधिक है। उल्लेखनीय है कि यह उपलब्धि पिछले 7 वर्षों में फरवरी महीने के लिए अब तक की सबसे अच